

*Der Prophet Zephanja
(Zefanja)*

Erläuterungen

In diesem Buch werden folgende Abkürzungen verwendet:

WV = Nummer des Wortes im Vers

WK = Nummer des Wortes im Kapitel

WB = Nummer des Wortes im Buch

ABV = Nummer des Anfangsbuchstabens des Wortes im Vers

ABK = Nummer des Anfangsbuchstabens des Wortes im Kapitel

ABB = Nummer des Anfangsbuchstabens des Wortes im Buch

AnzB = Anzahl der Buchstaben des Wortes

TW = Totalwert des Wortes

Am Ende eines Verses finden sich sieben Zahlen,
die folgende Bedeutung haben (von links nach rechts):

1. Nummer des Verses im Buch
2. Gesamtzahl der Buchstaben im Vers
3. Gesamtzahl der Buchstaben (bis einschließlich dieses Verses) im Kapitel
4. Gesamtzahl der Buchstaben (bis einschließlich dieses Verses) im Buch
5. Summe der Totalwerte des Verses
6. Summe der Totalwerte (bis einschließlich dieses Verses) im Kapitel
7. Summe der Totalwerte (bis einschließlich dieses Verses) im Buch

– 1.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|-----|-----------------|-----------|-----------|---|
| 1. | 1. | 1. | 1. | 1. | 1. | 3 | 206 | 4.2.200 | דבר | DBR | das Wort |
| 2. | 2. | 2. | 4. | 4. | 4. | 4 | 26 | 10_5.6_5 | יהוה | JHWH | Jahwes/(von) Jahwe |
| 3. | 3. | 3. | 8. | 8. | 8. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | welches |
| 4. | 4. | 4. | 11. | 11. | 11. | 3 | 20 | 5_10_5 | היה | HJH | geschah/er (=es) erging |
| 5. | 5. | 5. | 14. | 14. | 14. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu/an |
| 6. | 6. | 6. | 16. | 16. | 16. | 5 | 235 | 90_80_50_10_5 | זפניה | βPNJH | Zephanja/Zefanja//<verhüllt> |
| 7. | 7. | 7. | 21. | 21. | 21. | 2 | 52 | 2_50 | בן | BN | (dem) Sohn |
| 8. | 8. | 8. | 23. | 23. | 23. | 4 | 336 | 20_6_300_10 | קושי | KWSJ | Kuschi(s)///<Dunkelfarbiger> |
| 9. | 9. | 9. | 27. | 27. | 27. | 2 | 52 | 2_50 | בן | BN | (des) Sohn(es) |
| 10. | 10. | 10. | 29. | 29. | 29. | 5 | 52 | 3_4_30_10_5 | גדליה | GDLJH | Gedalja(s)///<groß ist Jah> |
| 11. | 11. | 11. | 34. | 34. | 34. | 2 | 52 | 2_50 | בן | BN | (des) Sohn(es) |
| 12. | 12. | 12. | 36. | 36. | 36. | 5 | 256 | 1_40_200_10_5 | אמריה | AMRJH | Amarja(s)///<Jah hat geredet> |
| 13. | 13. | 13. | 41. | 41. | 41. | 2 | 52 | 2_50 | בן | BN | (des) Sohn(es) |
| 14. | 14. | 14. | 43. | 43. | 43. | 5 | 130 | 8_7_100_10_5 | חזקיה | CZQJH | Hiskias/Chiskijas//<meine Stärke ist Jah> |
| 15. | 15. | 15. | 48. | 48. | 48. | 4 | 62 | 2_10_40_10 | בימי | BJMJ | in den Tagen |
| 16. | 16. | 16. | 52. | 52. | 52. | 6 | 332 | 10_1_300_10_5_6 | יאשיהו | JASJHW | Josias/(von) Joschija(ha)//<der Herr heilt> |
| 17. | 17. | 17. | 58. | 58. | 58. | 2 | 52 | 2_50 | בן | BN | (des) Sohn(es) |
| 18. | 18. | 18. | 60. | 60. | 60. | 4 | 97 | 1_40_6_50 | אמנו | AMWN | Amon(s)///<geübt> |
| 19. | 19. | 19. | 64. | 64. | 64. | 3 | 90 | 40_30_20 | מלכ | MLK | des Königs |
| 20. | 20. | 20. | 67. | 67. | 67. | 5 | 30 | 10_5.6_4.5 | יהודה | JHWDH | (von) Juda///<Lobpreis> |

Ende des Verses 1.1

Verse: 1, Buchstaben: 71, 71, 71, Totalwerte: 2664, 2664, 2664

Das Wort Jahwes, welches zu Zephanja geschah, dem Sohne Kuschis, des Sohnes Gedaljas, des Sohnes Amarjas, des Sohnes Hiskijas, in den Tagen Josias, des Sohnes Amons, des Königs von Juda.

– 1.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|-----|-----|-----|-----|------|-----|------------|------------------|-----------|--|
| 1. | 21. | 21. | 72. | 72. | 1. | 3 | 141 | 1_60_80 | אספ | AsP | wegraffen/(ein) Wegnehmen |
| 2. | 22. | 22. | 75. | 75. | 4. | 3 | 141 | 1_60_80 | אספ | AsP | wegraffen werde ich (gänzlich)/werde ich wegnehmen |
| 3. | 23. | 23. | 78. | 78. | 7. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | all(es) |
| 4. | 24. | 24. | 80. | 80. | 9. | 3 | 140 | 40_70_30 | סעל | MaL | von/oberhalb |
| 5. | 25. | 25. | 83. | 83. | 12. | 3 | 140 | 80_50_10 | פני | PNJ | der Fläche |
| 6. | 26. | 26. | 86. | 86. | 15. | 5 | 55 | 5_1_4_40_5 | הארמה | HADMH | des Erdbodens |
| 7. | 27. | 27. | 91. | 91. | 20. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאמ | NAM | spricht/Spruch |
| 8. | 28. | 28. | 94. | 94. | 23. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |

Ende des Verses 1.2

Verse: 2, Buchstaben: 26, 97, 97, Totalwerte: 784, 3448, 3448

Ich werde alles von der Fläche des Erdbodens gänzlich wegraffen, spricht Jahwe;

– 1.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|------|------|-----|------|-----|------------------------|-------------------|--|-----------------|
| 1. | 29. | 29. | 98. | 98. | 1. | 3 | 141 | 1_60_80 | אספ AsP | ich werde wegraffen/(ein) Wegnehmen | |
| 2. | 30. | 30. | 101. | 101. | 4. | 3 | 45 | 1_4_40 | אדם ADM | Mensch(en) | |
| 3. | 31. | 31. | 104. | 104. | 7. | 5 | 58 | 6_2_5_40_5 | ובהמה WBHMH | und Vieh | |
| 4. | 32. | 32. | 109. | 109. | 12. | 3 | 141 | 1_60_80 | אספ AsP | ich werde wegraffen/werde ich wegnehmen | |
| 5. | 33. | 33. | 112. | 112. | 15. | 3 | 156 | 70_6_80 | עופ aWP | (die) Vögel | |
| 6. | 34. | 34. | 115. | 115. | 18. | 5 | 395 | 5_300_40_10_40 | השמימ HSMJM | des Himmels/der Himmel | |
| 7. | 35. | 35. | 120. | 120. | 23. | 4 | 23 | 6_4_3_10 | ודני WDGJ | und (die) Fische | |
| 8. | 36. | 36. | 124. | 124. | 27. | 3 | 55 | 5_10_40 | הים HJM | des Meeres | |
| 9. | 37. | 37. | 127. | 127. | 30. | 8 | 807 | 6_5_40_20_300_30_6_400 | והמכשלות WHMKSLWT | und die Ärgernisse/und die straucheln Machenden | |
| 10. | 38. | 38. | 135. | 135. | 38. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | samt | |
| 11. | 39. | 39. | 137. | 137. | 40. | 6 | 625 | 5_200_300_70_10_40 | הרשעים HRSaJM | den Gesetzlosen/den Frevlern | |
| 12. | 40. | 40. | 143. | 143. | 46. | 6 | 641 | 6_5_20_200_400_10 | והכרתי WHKRTJ | und ich werde ausrotten/und ich rotte aus | |
| 13. | 41. | 41. | 149. | 149. | 52. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 14. | 42. | 42. | 151. | 151. | 54. | 4 | 50 | 5_1_4_40 | האדם HADM | die Menschen/den Menschen | |
| 15. | 43. | 43. | 155. | 155. | 58. | 3 | 140 | 40_70_30 | מעל MaL | von/oberhalb | |
| 16. | 44. | 44. | 158. | 158. | 61. | 3 | 140 | 80_50_10 | פני PNJ | der Fläche | |
| 17. | 45. | 45. | 161. | 161. | 64. | 5 | 55 | 5_1_4_40_5 | הארמה HADMH | des Erdbodens | |
| 18. | 46. | 46. | 166. | 166. | 69. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאם NAM | spricht/Spruch | |
| 19. | 47. | 47. | 169. | 169. | 72. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |

Ende des Verses 1.3

Verse: 3, Buchstaben: 75, 172, 172, Totalwerte: 4391, 7839, 7839

ich werde Menschen und Vieh wegraffen, ich werde wegraffen die Vögel des Himmels und die Fische des Meeres, und die Ärgernisse samt den Gesetzlosen; und ich werde die Menschen ausrotten von der Fläche des Erdbodens, spricht Jahwe. -

– 1.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|------|------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|--|
| 1. | 48. | 48. | 173. | 173. | 1. | 6 | 485 | 6_50_9_10_400_10 | ונתיח | WNtJTJ | und ich werde ausstrecken/und ich recke |
| 2. | 49. | 49. | 179. | 179. | 7. | 3 | 24 | 10_4_10 | ידי | JDJ | meine Hand |
| 3. | 50. | 50. | 182. | 182. | 10. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | wider/gegen |
| 4. | 51. | 51. | 184. | 184. | 12. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda |
| 5. | 52. | 52. | 189. | 189. | 17. | 3 | 106 | 6_70_30 | ועל | WaL | und wider/und gegen |
| 6. | 53. | 53. | 192. | 192. | 20. | 2 | 50 | 20_30 | כל | KL | all(e) |
| 7. | 54. | 54. | 194. | 194. | 22. | 5 | 328 | 10_6_300_2_10 | יושבי | JWSBJ | die Bewohner |
| 8. | 55. | 55. | 199. | 199. | 27. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | (von) Jerusalem/// <Erbteil des Friedens> |
| 9. | 56. | 56. | 205. | 205. | 33. | 6 | 641 | 6_5_20_200_400_10 | הכרתי | WHKRTJ | und ich werde ausrotten/und ich rotte aus |
| 10. | 57. | 57. | 211. | 211. | 39. | 2 | 90 | 40_50 | מן | MN | aus/von |
| 11. | 58. | 58. | 213. | 213. | 41. | 5 | 191 | 5_40_100_6_40 | המקום | HMQWM | dem Ort |
| 12. | 59. | 59. | 218. | 218. | 46. | 3 | 17 | 5_7_5 | היה | HZH | dies(em) (da) |
| 13. | 60. | 60. | 221. | 221. | 49. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 14. | 61. | 61. | 223. | 223. | 51. | 3 | 501 | 300_1_200 | שאר | SAR | den Überrest |
| 15. | 62. | 62. | 226. | 226. | 54. | 4 | 107 | 5_2_70_30 | הבעל | HBaL | des Baal/// <Herr> |
| 16. | 63. | 63. | 230. | 230. | 58. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 17. | 64. | 64. | 232. | 232. | 60. | 2 | 340 | 300_40 | שמ | SM | den Namen |
| 18. | 65. | 65. | 234. | 234. | 62. | 6 | 315 | 5_20_40_200_10_40 | הכמרים | HKMRJM | der Götzenpriester |
| 19. | 66. | 66. | 240. | 240. | 68. | 2 | 110 | 70_40 | עם | aM | samt/mit |
| 20. | 67. | 67. | 242. | 242. | 70. | 6 | 130 | 5_20_5_50_10_40 | הכהנים | HKHNJM | den Priestern |

Ende des Verses 1.4

Verse: 4, Buchstaben: 75, 247, 247, Totalwerte: 4953, 12792, 12792

Und ich werde meine Hand ausstrecken wider Juda und wider alle Bewohner von Jerusalem. Und ich werde aus diesem Orte den Überrest des Baal, den Namen der Götzenpriester samt den Priestern ausrotten;

– 1.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|------|------|-----|------|-----|------------------------|---------------------|-----------|---|
| 1. | 68. | 68. | 248. | 248. | 1. | 3 | 407 | 6_1_400 | ואת WAT | und ** | |
| 2. | 69. | 69. | 251. | 251. | 4. | 8 | 809 | 5_40_300_400_8_6_10_40 | הַמִּשְׁתַּחֲוִיִּם | HMSTCWJM | die anbeten/die sich Niederwerfenden |
| 3. | 70. | 70. | 259. | 259. | 12. | 2 | 100 | 70_30 | עַל aL | auf | |
| 4. | 71. | 71. | 261. | 261. | 14. | 5 | 417 | 5_3_3_6_400 | הַגִּגֹּת | HGGWT | den Dächern |
| 5. | 72. | 72. | 266. | 266. | 19. | 4 | 123 | 30_90_2_1 | לְצַבָּא | LßBA | das Heer/vor dem Heer |
| 6. | 73. | 73. | 270. | 270. | 23. | 5 | 395 | 5_300_40_10_40 | הַשָּׁמַיִם | HSMJM | des Himmels/der Himmel |
| 7. | 74. | 74. | 275. | 275. | 28. | 3 | 407 | 6_1_400 | ואת WAT | und ** | |
| 8. | 75. | 75. | 278. | 278. | 31. | 8 | 809 | 5_40_300_400_8_6_10_40 | הַמִּשְׁתַּחֲוִיִּם | HMSTCWJM | die Anbetenden/die sich Niederwerfenden |
| 9. | 76. | 76. | 286. | 286. | 39. | 7 | 477 | 5_50_300_2_70_10_40 | הַנִּשְׁבָּעִים | HNSBaJM | welche schwören/die Schwörenden |
| 10. | 77. | 77. | 293. | 293. | 46. | 5 | 56 | 30_10_5_6_5 | לַיהוָה | LJHWH | dem Jahwe/bei Jahwe |
| 11. | 78. | 78. | 298. | 298. | 51. | 8 | 483 | 6_5_50_300_2_70_10_40 | וְהַנִּשְׁבָּעִים | WHNSBaJM | und schwören/und die (zugleich) Schwörenden |
| 12. | 79. | 79. | 306. | 306. | 59. | 5 | 132 | 2_40_30_20_40 | בְּמֶלֶכָם | BMLKM | bei ihrem König |

Ende des Verses 1.5

Verse: 5, Buchstaben: 63, 310, 310, Totalwerte: 4615, 17407, 17407

und die auf den Dächern das Heer des Himmels anbeten, und die Anbetenden, welche dem Jahwe schwören und bei ihrem König schwören;

– 1.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|------|------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|------------------------------------|
| 1. | 80. | 80. | 311. | 311. | 1. | 3 | 407 | 6_1_400 | ואת | WAT | und ** |
| 2. | 81. | 81. | 314. | 314. | 4. | 7 | 174 | 5_50_60_6_3_10_40 | הנסוגימי | HNsWGJM | die zurückweichen/die Abgewichenen |
| 3. | 82. | 82. | 321. | 321. | 11. | 5 | 259 | 40_1_8_200_10 | מאחרי | MACRJ | (weg) von |
| 4. | 83. | 83. | 326. | 326. | 16. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 5. | 84. | 84. | 330. | 330. | 20. | 4 | 507 | 6_1_300_200 | ואשר | WASR | und die/und welche |
| 6. | 85. | 85. | 334. | 334. | 24. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 7. | 86. | 86. | 336. | 336. | 26. | 4 | 408 | 2_100_300_6 | בקשו | BQSW | (sie) such(t)en |
| 8. | 87. | 87. | 340. | 340. | 30. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 9. | 88. | 88. | 342. | 342. | 32. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 10. | 89. | 89. | 346. | 346. | 36. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | noch/und nicht |
| 11. | 90. | 90. | 349. | 349. | 39. | 5 | 515 | 4_200_300_5_6 | דרשהו | DRSHW | (sie) frag(t)en nach ihm |

Ende des Verses 1.6

Verse: 6, Buchstaben: 43, 353, 353, Totalwerte: 2791, 20198, 20198

und die von Jahwe zurückweichen, und die Jahwe nicht suchen noch nach ihm fragen.

– 1.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|---------------------------------------|
| 1. | 91. | 91. | 354. | 354. | 1. | 2 | 65 | 5_60 | הַסּ | Hs | still |
| 2. | 92. | 92. | 356. | 356. | 3. | 4 | 180 | 40_80_50_10 | סַפְּנִי | MPNJ | vor dem (Angesicht) |
| 3. | 93. | 93. | 360. | 360. | 7. | 4 | 65 | 1_4_50_10 | אֲדֹנָי | ADNJ | (des) Herrn |
| 4. | 94. | 94. | 364. | 364. | 11. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwe |
| 5. | 95. | 95. | 368. | 368. | 15. | 2 | 30 | 20_10 | כִּי | KJ | denn |
| 6. | 96. | 96. | 370. | 370. | 17. | 4 | 308 | 100_200_6_2 | קָרוֹב | QRWB | nahe (ist) |
| 7. | 97. | 97. | 374. | 374. | 21. | 3 | 56 | 10_6_40 | יּוֹם | JWM | der Tag |
| 8. | 98. | 98. | 377. | 377. | 24. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwe(s) |
| 9. | 99. | 99. | 381. | 381. | 28. | 2 | 30 | 20_10 | כִּי | KJ | denn |
| 10. | 100. | 100. | 383. | 383. | 30. | 4 | 85 | 5_20_10_50 | הֵכִיִּן | HKJN | es hat bereitet/er (=es) hat gerüstet |
| 11. | 101. | 101. | 387. | 387. | 34. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwe |
| 12. | 102. | 102. | 391. | 391. | 38. | 3 | 17 | 7_2_8 | זֶבַח | ZBC | (ein) Schlachtopfer |
| 13. | 103. | 103. | 394. | 394. | 41. | 5 | 419 | 5_100_4_10_300 | הִקְדִּישׁ | HQDJS | er hat geheiligt |
| 14. | 104. | 104. | 399. | 399. | 46. | 5 | 317 | 100_200_1_10_6 | קְרָאיוּ | QRAJW | seine Geladenen |

Ende des Verses 1.7

Verse: 7, Buchstaben: 50, 403, 403, Totalwerte: 1650, 21848, 21848

Still vor dem Herrn Jahwe! Denn nahe ist der Tag Jahwes; denn Jahwe hat ein Schlachtopfer bereitet, er hat seine Geladenen geheiligt.

– 1.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|--|
| 1. | 105. | 105. | 404. | 404. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und er (=es) wird geschehen |
| 2. | 106. | 106. | 408. | 408. | 5. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | am Tag |
| 3. | 107. | 107. | 412. | 412. | 9. | 3 | 17 | 7_2_8 | זבח | ZBC | des Schlachtopfers |
| 4. | 108. | 108. | 415. | 415. | 12. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 5. | 109. | 109. | 419. | 419. | 16. | 6 | 600 | 6_80_100_4_400_10 | ופקדתי | WPQDTJ | da werde ich heimsuchen/und ich suche heim |
| 6. | 110. | 110. | 425. | 425. | 22. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | /wider |
| 7. | 111. | 111. | 427. | 427. | 24. | 5 | 555 | 5_300_200_10_40 | השרימ | HSRJM | die Fürsten/die Amtsträger |
| 8. | 112. | 112. | 432. | 432. | 29. | 3 | 106 | 6_70_30 | ועל | WaL | und (wider) |
| 9. | 113. | 113. | 435. | 435. | 32. | 3 | 62 | 2_50_10 | בני | BNJ | die Söhne |
| 10. | 114. | 114. | 438. | 438. | 35. | 4 | 95 | 5_40_30_20 | המלכ | HMLK | des Königs |
| 11. | 115. | 115. | 442. | 442. | 39. | 3 | 106 | 6_70_30 | ועל | WaL | und (wider) |
| 12. | 116. | 116. | 445. | 445. | 42. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | all(e) |
| 13. | 117. | 117. | 447. | 447. | 44. | 6 | 387 | 5_30_2_300_10_40 | הלבשימ | HLBSJM | die sich bekleiden/die Gekleideten |
| 14. | 118. | 118. | 453. | 453. | 50. | 5 | 378 | 40_30_2_6_300 | מלבוש | MLBWS | mit Kleidung |
| 15. | 119. | 119. | 458. | 458. | 55. | 4 | 280 | 50_20_200_10 | נכרי | NKRJ | fremder |

Ende des Verses 1.8

Verse: 8, Buchstaben: 58, 461, 461, Totalwerte: 2846, 24694, 24694

Und es wird geschehen an dem Tage des Schlachtopfers Jahwes, da werde ich die Fürsten und die Königssöhne heimsuchen und alle, die sich mit fremder Kleidung bekleiden.

– 1.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|--------------------|------------------|-----------|-------------------------------|
| 1. | 120. | 120. | 462. | 462. | 1. | 6 | 600 | 6_80_100_4_400_10 | ופקדתי | WPQDTJ | und ich werde heimsuchen |
| 2. | 121. | 121. | 468. | 468. | 7. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | /wider |
| 3. | 122. | 122. | 470. | 470. | 9. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | ((einen) jeden |
| 4. | 123. | 123. | 472. | 472. | 11. | 5 | 48 | 5_4_6_30_3 | הדולג | HDWLG | der springt/der hüpfend (ist) |
| 5. | 124. | 124. | 477. | 477. | 16. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | über/auf |
| 6. | 125. | 125. | 479. | 479. | 18. | 5 | 575 | 5_40_80_400_50 | המפתח | HMPTN | die Schwelle/dem Stufenthron |
| 7. | 126. | 126. | 484. | 484. | 23. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | am Tag |
| 8. | 127. | 127. | 488. | 488. | 27. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | alle/jenem |
| 9. | 128. | 128. | 492. | 492. | 31. | 7 | 166 | 5_40_40_30_1_10_40 | הממלאים | HMMLAJM | die erfüllen/die Füllenden |
| 10. | 129. | 129. | 499. | 499. | 38. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | das (Tempel)Haus |
| 11. | 130. | 130. | 502. | 502. | 41. | 6 | 110 | 1_4_50_10_5_40 | אדניהם | ADNJHM | ihres Herrn |
| 12. | 131. | 131. | 508. | 508. | 47. | 3 | 108 | 8_40_60 | חמס | CMs | ((mit) Gewalt(tat) |
| 13. | 132. | 132. | 511. | 511. | 50. | 5 | 291 | 6_40_200_40_5 | ומרמה | WMRMH | und (Be)Trug |

Ende des Verses 1.9

Verse: 9, Buchstaben: 54, 515, 515, Totalwerte: 2635, 27329, 27329

Und an jenem Tage werde ich einen jeden heimsuchen, der über die Schwelle springt, alle, die das Haus ihres Herrn mit Gewalttat und Betrug erfüllen.

– 1.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|---|
| 1. | 133. | 133. | 516. | 516. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und es wird erschallen/und er (=es) wird sein |
| 2. | 134. | 134. | 520. | 520. | 5. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | am Tag |
| 3. | 135. | 135. | 524. | 524. | 9. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא | HHWA | jenem |
| 4. | 136. | 136. | 528. | 528. | 13. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאם | NAM | spricht/Spruch |
| 5. | 137. | 137. | 531. | 531. | 16. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 6. | 138. | 138. | 535. | 535. | 20. | 3 | 136 | 100_6_30 | קול | QWL | /(eine) Stimme |
| 7. | 139. | 139. | 538. | 538. | 23. | 4 | 265 | 90_70_100_5 | צעקה | ʕaQH | ein Geschrei/(von) (Weh)Geschrei |
| 8. | 140. | 140. | 542. | 542. | 27. | 4 | 610 | 40_300_70_200 | משער | MSaR | vom Tor |
| 9. | 141. | 141. | 546. | 546. | 31. | 5 | 62 | 5_4_3_10_40 | הדנימ | HDGJM | (der) Fisch(e) (her) |
| 10. | 142. | 142. | 551. | 551. | 36. | 5 | 81 | 6_10_30_30_5 | ויללה | WJLLH | und (ein) Geheul |
| 11. | 143. | 143. | 556. | 556. | 41. | 2 | 90 | 40_50 | מן | MN | von |
| 12. | 144. | 144. | 558. | 558. | 43. | 5 | 400 | 5_40_300_50_5 | המשנה | HMSNH | der Unterstadt/der zweiten Stadt |
| 13. | 145. | 145. | 563. | 563. | 48. | 4 | 508 | 6_300_2_200 | ושבר | WSBR | und Jammern/und Krach |
| 14. | 146. | 146. | 567. | 567. | 52. | 4 | 43 | 3_4_6_30 | גדול | GDWL | lautes/großer |
| 15. | 147. | 147. | 571. | 571. | 56. | 7 | 526 | 40_5_3_2_70_6_400 | מהנבעות | MHGbaWT | von den Hügeln (her) |

Ende des Verses 1.10

Verse: 10, Buchstaben: 62, 577, 577, Totalwerte: 2939, 30268, 30268

Und an jenem Tage, spricht Jahwe, wird ein Geschrei erschallen vom Fischtore her, und ein Geheul von der Unterstadt, und lautes Jammern von den Hügeln her.

– 1.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|--|
| 1. | 148. | 148. | 578. | 578. | 1. | 6 | 91 | 5_10_30_10_30_6 | הילילו | HJLJLW | heulet |
| 2. | 149. | 149. | 584. | 584. | 7. | 4 | 322 | 10_300_2_10 | ישבי | JSBJ | ihr Bewohner/ihr Wohnenden |
| 3. | 150. | 150. | 588. | 588. | 11. | 5 | 765 | 5_40_20_400_300 | המכתש | HMKTS | von Maktesch/in dem Mörser |
| 4. | 151. | 151. | 593. | 593. | 16. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn/weil |
| 5. | 152. | 152. | 595. | 595. | 18. | 4 | 99 | 50_4_40_5 | נדמה | NDMH | ((er (=es)) ist vernichtet |
| 6. | 153. | 153. | 599. | 599. | 22. | 2 | 50 | 20_30 | כל | KL | all(es) |
| 7. | 154. | 154. | 601. | 601. | 24. | 2 | 110 | 70_40 | עם | aM | ((das) Volk |
| 8. | 155. | 155. | 603. | 603. | 26. | 4 | 190 | 20_50_70_50 | דנעו | KNaN | ((des) Krämer(s)/des Händlers//Kanaans |
| 9. | 156. | 156. | 607. | 607. | 30. | 5 | 676 | 50_20_200_400_6 | נכרתו | NKRTW | ((sie (=es)) sind ausgerottet |
| 10. | 157. | 157. | 612. | 612. | 35. | 2 | 50 | 20_30 | כל | KL | all(e) |
| 11. | 158. | 158. | 614. | 614. | 37. | 5 | 109 | 50_9_10_30_10 | נשילי | NtJLJ | die Beladenen/die Auflegenden |
| 12. | 159. | 159. | 619. | 619. | 42. | 3 | 160 | 20_60_80 | כסף | KsP | ((mit) Silber |

Ende des Verses 1.11

Verse: 11, Buchstaben: 44, 621, 621, Totalwerte: 2652, 32920, 32920

Heulet, ihr Bewohner von Maktesch! Denn alles Krämervolk ist vernichtet, alle mit Silber Beladenen sind ausgerottet.

– 1.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|--------------------|-----------|-----------|--|
| 1. | 160. | 160. | 622. | 622. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und es wird geschehen/und er (=es) wird sein |
| 2. | 161. | 161. | 626. | 626. | 5. | 3 | 472 | 2_70_400 | בעת | BaT | zu (der) Zeit/in der Zeit |
| 3. | 162. | 162. | 629. | 629. | 8. | 4 | 21 | 5_5_10_1 | ההיא | HHJA | jener/derjenigen |
| 4. | 163. | 163. | 633. | 633. | 12. | 4 | 389 | 1_8_80_300 | אחפש | ACPS | da werde ich durchsuchen/ich durchforsche |
| 5. | 164. | 164. | 637. | 637. | 16. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 6. | 165. | 165. | 639. | 639. | 18. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם | JRWSLM | Jerusalem |
| 7. | 166. | 166. | 645. | 645. | 24. | 5 | 658 | 2_50_200_6_400 | בנרות | BNRWT | mit (den) Leuchten |
| 8. | 167. | 167. | 650. | 650. | 29. | 6 | 600 | 6_80_100_4_400_10 | ופקדתי | WPQDTJ | und ich werde heimsuchen/und ich suche heim |
| 9. | 168. | 168. | 656. | 656. | 35. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | /wider |
| 10. | 169. | 169. | 658. | 658. | 37. | 6 | 406 | 5_1_50_300_10_40 | האנשים | HANSJM | die Männer |
| 11. | 170. | 170. | 664. | 664. | 43. | 6 | 236 | 5_100_80_1_10_40 | הקפאים | HQPAJM | welche liegen/die steifen |
| 12. | 171. | 171. | 670. | 670. | 49. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | auf |
| 13. | 172. | 172. | 672. | 672. | 51. | 6 | 595 | 300_40_200_10_5_40 | שמריהם | SMRJHM | ihren (Wein)Hefen |
| 14. | 173. | 173. | 678. | 678. | 57. | 6 | 296 | 5_1_40_200_10_40 | האמרים | HAMRJM | die spechen/die Sagende sind |
| 15. | 174. | 174. | 684. | 684. | 63. | 5 | 76 | 2_30_2_2_40 | בלבבם | BLBBM | in ihrem Herzen |
| 16. | 175. | 175. | 689. | 689. | 68. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht(s) |
| 17. | 176. | 176. | 691. | 691. | 70. | 5 | 41 | 10_10_9_10_2 | יטיב | JJtJB | tut Gutes/er (=es) kann gut handeln |
| 18. | 177. | 177. | 696. | 696. | 75. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 19. | 178. | 178. | 700. | 700. | 79. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht(s) |
| 20. | 179. | 179. | 703. | 703. | 82. | 3 | 280 | 10_200_70 | ירע | JRa | tut Böses/er kann böse handeln |

Ende des Verses 1.12

Verse: 12, Buchstaben: 84, 705, 705, Totalwerte: 5377, 38297, 38297

Und es wird geschehen zu jener Zeit, da werde ich Jerusalem mit Leuchten durchsuchen; und ich werde die Männer heimsuchen, welche auf ihren Hefen liegen, die in ihrem Herzen sprechen: Jahwe tut nichts Gutes und tut nichts Böses.

– 1.13

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|-----------------|-----------|-----------|---|
| 1. | 180. | 180. | 706. | 706. | 1. | 4 | 26 | 6_5_10_5 | והיה | WHJH | und er (=es) wird werden |
| 2. | 181. | 181. | 710. | 710. | 5. | 4 | 88 | 8_10_30_40 | חילמ | CJLM | ihr Vermögen/ihre Habe |
| 3. | 182. | 182. | 714. | 714. | 9. | 5 | 435 | 30_40_300_60_5 | למשסה | LMSsH | zum Raub/zu Raubgut |
| 4. | 183. | 183. | 719. | 719. | 14. | 6 | 463 | 6_2_400_10_5_40 | ובתיהמ | WBTJHM | und ihre Häuser |
| 5. | 184. | 184. | 725. | 725. | 20. | 5 | 415 | 30_300_40_40_5 | לשממה | LSMMH | werden zur Wüste werden/zu Verwüstung |
| 6. | 185. | 185. | 730. | 730. | 25. | 4 | 64 | 6_2_50_6 | ובנו | WBNW | und sie werden bauen/und (wenn) sie bauen |
| 7. | 186. | 186. | 734. | 734. | 29. | 4 | 452 | 2_400_10_40 | בתימ | BTJM | Häuser |
| 8. | 187. | 187. | 738. | 738. | 33. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht |
| 9. | 188. | 188. | 741. | 741. | 36. | 4 | 318 | 10_300_2_6 | ישבו | JSBW | ((sie werden) bewohnen (sie) |
| 10. | 189. | 189. | 745. | 745. | 40. | 5 | 141 | 6_50_9_70_6 | ונטעו | WNtaW | und pflanzen/und (wenn) sie werden pflanzen |
| 11. | 190. | 190. | 750. | 750. | 45. | 5 | 310 | 20_200_40_10_40 | ךרמימ | KRMJM | Weinberge/Weingärten |
| 12. | 191. | 191. | 755. | 755. | 50. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht |
| 13. | 192. | 192. | 758. | 758. | 53. | 4 | 716 | 10_300_400_6 | ישתו | JSTW | trinken/sie (=es) werden trinken |
| 14. | 193. | 193. | 762. | 762. | 57. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 15. | 194. | 194. | 764. | 764. | 59. | 4 | 110 | 10_10_50_40 | ינימ | JJNM | deren Wein/ihren Wein |

Ende des Verses 1.13

Verse: 13, Buchstaben: 62, 767, 767, Totalwerte: 4013, 42310, 42310

Und ihr Vermögen wird zum Raube, und ihre Häuser werden zur Wüste werden; und sie werden Häuser bauen und sie nicht bewohnen, und Weinberge pflanzen und deren Wein nicht trinken.

– 1.14

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|-------------|------------------|-----------|----------------------------------|
| 1. | 195. | 195. | 768. | 768. | 1. | 4 | 308 | 100_200_6.2 | קרוב | QRWB | nahe (ist) |
| 2. | 196. | 196. | 772. | 772. | 5. | 3 | 56 | 10_6_40 | יום | JWM | der Tag |
| 3. | 197. | 197. | 775. | 775. | 8. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 4. | 198. | 198. | 779. | 779. | 12. | 5 | 48 | 5_3_4_6_30 | הגדול | HGDWL | der große |
| 5. | 199. | 199. | 784. | 784. | 17. | 4 | 308 | 100_200_6.2 | קרוב | QRWB | (er) ist nahe |
| 6. | 200. | 200. | 788. | 788. | 21. | 4 | 251 | 6_40_5_200 | ומהר | WMHR | und eilt/und (ein) Eilen |
| 7. | 201. | 201. | 792. | 792. | 25. | 3 | 45 | 40_1_4 | סאר | MAD | sehr |
| 8. | 202. | 202. | 795. | 795. | 28. | 3 | 136 | 100_6_30 | קול | QWL | horch/(eine) Stimme |
| 9. | 203. | 203. | 798. | 798. | 31. | 3 | 56 | 10_6_40 | יום | JWM | der Tag |
| 10. | 204. | 204. | 801. | 801. | 34. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 11. | 205. | 205. | 805. | 805. | 38. | 2 | 240 | 40_200 | מר | MR | bitterlich/(er (=es) ist) bitter |
| 12. | 206. | 206. | 807. | 807. | 40. | 3 | 298 | 90_200_8 | ץרה | ßRC | schreit/schreiend(er) |
| 13. | 207. | 207. | 810. | 810. | 43. | 2 | 340 | 300_40 | שמ | SM | dort/da |
| 14. | 208. | 208. | 812. | 812. | 45. | 4 | 211 | 3_2_6_200 | גבור | GBWR | der Held/(ein) Held |

Ende des Verses 1.14

Verse: 14, Buchstaben: 48, 815, 815, Totalwerte: 2349, 44659, 44659

Nahe ist der große Tag Jahwes; er ist nahe und eilt sehr. Horch, der Tag Jahwes! Bitterlich schreit dort der Held.

– 1.15

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|-----------------|----------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 209. | 209. | 816. | 816. | 1. | 3 | 56 | 10_6_40 | יום JWM | | (ein) Tag |
| 2. | 210. | 210. | 819. | 819. | 4. | 4 | 277 | 70_2_200_5 | עברה aBRH | | des Grimmes/des Zornes |
| 3. | 211. | 211. | 823. | 823. | 8. | 4 | 61 | 5_10_6_40 | היום HJWM | | (ist) (der) Tag |
| 4. | 212. | 212. | 827. | 827. | 12. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | הוא HHWA | | dieser/jener da |
| 5. | 213. | 213. | 831. | 831. | 16. | 3 | 56 | 10_6_40 | יום JWM | | (ein) Tag |
| 6. | 214. | 214. | 834. | 834. | 19. | 3 | 295 | 90_200_5 | צרה ßRH | | der Drangsal/(der) Not |
| 7. | 215. | 215. | 837. | 837. | 22. | 6 | 247 | 6_40_90_6_100_5 | ומצוקה WMßWQH | | und (der) Bedrängnis |
| 8. | 216. | 216. | 843. | 843. | 28. | 3 | 56 | 10_6_40 | יום JWM | | (ein) Tag |
| 9. | 217. | 217. | 846. | 846. | 31. | 3 | 306 | 300_1_5 | שאה SAH | | des Verwüstens/(der) Verwüstung |
| 10. | 218. | 218. | 849. | 849. | 34. | 6 | 358 | 6_40_300_6_1_5 | ומשוואה WMSWAH | | und der Verwüstung/und Verödung |
| 11. | 219. | 219. | 855. | 855. | 40. | 3 | 56 | 10_6_40 | יום JWM | | (ein) Tag |
| 12. | 220. | 220. | 858. | 858. | 43. | 3 | 328 | 8_300_20 | חשך CSK | | der Finsternis/(von) Dunkelheit |
| 13. | 221. | 221. | 861. | 861. | 46. | 5 | 122 | 6_1_80_30_5 | ואפלה WAPLH | | und der Dunkelheit/und Finsternis |
| 14. | 222. | 222. | 866. | 866. | 51. | 3 | 56 | 10_6_40 | יום JWM | | (ein) Tag |
| 15. | 223. | 223. | 869. | 869. | 54. | 3 | 170 | 70_50_50 | עננ aNN | | des Gewölks/(mit) Gewölk |
| 16. | 224. | 224. | 872. | 872. | 57. | 5 | 386 | 6_70_200_80_30 | וערפל WaRPL | | und (des) Wolkendunkel(s) |

Ende des Verses 1.15

Verse: 15, Buchstaben: 61, 876, 876, Totalwerte: 2847, 47506, 47506

Ein Tag des Grimmes ist dieser Tag, ein Tag der Drangsal und der Bedrängnis, ein Tag des Verwüstens und der Verwüstung, ein Tag der Finsternis und der Dunkelheit, ein Tag des Gewölks und des Wolkendunkels,

– 1.16

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|------|------|------|-----|------|-----|------------------|------------------|--|-----------------|
| 1. | 225. | 225. | 877. | 877. | 1. | 3 | 56 | 10_6_40 | יום JWM | (ein) Tag | |
| 2. | 226. | 226. | 880. | 880. | 4. | 4 | 586 | 300_6_80_200 | שופר SWPR | der Posaune/mit Horn | |
| 3. | 227. | 227. | 884. | 884. | 8. | 6 | 687 | 6_400_200_6_70_5 | ותרועה WTRWaH | und des Kriegsgeschreis/und (des) Kampfgeschrei(s) | |
| 4. | 228. | 228. | 890. | 890. | 14. | 2 | 100 | 70_30 | על aL | wider | |
| 5. | 229. | 229. | 892. | 892. | 16. | 5 | 325 | 5_70_200_10_40 | הערים HaRJM | die Städte | |
| 6. | 230. | 230. | 897. | 897. | 21. | 6 | 703 | 5_2_90_200_6_400 | הבצרות HBßRWT | festen/die befestigten | |
| 7. | 231. | 231. | 903. | 903. | 27. | 3 | 106 | 6_70_30 | ועל WaL | und wider | |
| 8. | 232. | 232. | 906. | 906. | 30. | 5 | 541 | 5_80_50_6_400 | הפנות HPNWT | die Zinnen | |
| 9. | 233. | 233. | 911. | 911. | 35. | 6 | 421 | 5_3_2_5_6_400 | הגבהות HGBHWT | (die) hohen | |

Ende des Verses 1.16

Verse: 16, Buchstaben: 40, 916, 916, Totalwerte: 3525, 51031, 51031

ein Tag der Posaune und des Kriegsgeschreis wider die festen Städte und wider die hohen Zinnen.

– 1.17

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|--|
| 1. | 234. | 234. | 917. | 917. | 1. | 6 | 711 | 6_5_90_200_400_10 | והצרתיה | WHßRTJ | und ich werde ängstigen/und ich mache Angst |
| 2. | 235. | 235. | 923. | 923. | 7. | 4 | 75 | 30_1_4_40 | לאדם | LADM | die Menschen/dem Menschen |
| 3. | 236. | 236. | 927. | 927. | 11. | 5 | 67 | 6_5_30_20_6 | והלכו | WHLKW | und sie (werden) gehen einher |
| 4. | 237. | 237. | 932. | 932. | 16. | 6 | 346 | 20_70_6_200_10_40 | ךעוריה | KaWRJM | wie (die) Blinde(n) |
| 5. | 238. | 238. | 938. | 938. | 22. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | weil/denn |
| 6. | 239. | 239. | 940. | 940. | 24. | 5 | 56 | 30_10_5_6_5 | ליהוה | LJHWH | gegen Jahwe/wider Jahwe |
| 7. | 240. | 240. | 945. | 945. | 29. | 4 | 24 | 8_9_1_6 | חטאו | CtAW | sie haben gesündigt |
| 8. | 241. | 241. | 949. | 949. | 33. | 4 | 406 | 6_300_80_20 | ושפכ | WSPK | und es wird verschüttet werden/und er (=es) wird ausgeschüttet |
| 9. | 242. | 242. | 953. | 953. | 37. | 3 | 84 | 4_40_40 | דמם | DMM | ihr Blut |
| 10. | 243. | 243. | 956. | 956. | 40. | 4 | 370 | 20_70_80_200 | ךעפר | KaPR | wie (der) Staub |
| 11. | 244. | 244. | 960. | 960. | 44. | 5 | 124 | 6_30_8_40_40 | ולחמם | WLCMM | und ihr Fleisch |
| 12. | 245. | 245. | 965. | 965. | 49. | 6 | 133 | 20_3_30_30_10_40 | ךגללימ | KGLLJM | wie Kot/wie die Exkremente |

Ende des Verses 1.17

Verse: 17, Buchstaben: 54, 970, 970, Totalwerte: 2426, 53457, 53457

Und ich werde die Menschen ängstigen, und sie werden einhergehen wie die Blinden, weil sie gegen Jahwe gesündigt haben; und ihr Blut wird verschüttet werden wie Staub, und ihr Fleisch wie Kot;

– 1.18

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|-------|-------|-----|------|-----|------------------|-------------|-----------|----------------------------------|
| 1. | 246. | 246. | 971. | 971. | 1. | 2 | 43 | 3_40 | גַּם | GM | auch |
| 2. | 247. | 247. | 973. | 973. | 3. | 4 | 200 | 20_60_80_40 | כֶּסֶפֶם | KsPM | ihr Silber |
| 3. | 248. | 248. | 977. | 977. | 7. | 2 | 43 | 3_40 | גַּם | GM | auch |
| 4. | 249. | 249. | 979. | 979. | 9. | 4 | 54 | 7_5_2_40 | זְהַבְמָ | ZHBM | ihr Gold |
| 5. | 250. | 250. | 983. | 983. | 13. | 2 | 31 | 30_1 | לֹא | LA | nicht |
| 6. | 251. | 251. | 985. | 985. | 15. | 4 | 66 | 10_6_20_30 | יִוָּכַל | JWKL | wird können/er (=es) vermag |
| 7. | 252. | 252. | 989. | 989. | 19. | 6 | 205 | 30_5_90_10_30_40 | לְהַצִּילֵם | LHßJLM | sie erretten/zu retten sie |
| 8. | 253. | 253. | 995. | 995. | 25. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | בְּיוֹם | BJWM | am Tag |
| 9. | 254. | 254. | 999. | 999. | 29. | 4 | 672 | 70_2_200_400 | עֲבֵרָה | aBRT | des Grimmes/des Zorns |
| 10. | 255. | 255. | 1003. | 1003. | 33. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwe(s) |
| 11. | 256. | 256. | 1007. | 1007. | 37. | 4 | 309 | 6_2_1_300 | וּבְאֵשׁ | WBAS | und durch (das) Feuer |
| 12. | 257. | 257. | 1011. | 1011. | 41. | 5 | 557 | 100_50_1_400_6 | קְנָאוֹ | QNATW | seines Eifers |
| 13. | 258. | 258. | 1016. | 1016. | 46. | 4 | 451 | 400_1_20_30 | תֹּאכַל | TAKL | (sie (=es)) wird verzehrt werden |
| 14. | 259. | 259. | 1020. | 1020. | 50. | 2 | 50 | 20_30 | כָּל | KL | das ganze/ganz |
| 15. | 260. | 260. | 1022. | 1022. | 52. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הָאָרֶץ | HARß | Land/die Erde |
| 16. | 261. | 261. | 1026. | 1026. | 56. | 2 | 30 | 20_10 | כִּי | KJ | denn |
| 17. | 262. | 262. | 1028. | 1028. | 58. | 3 | 55 | 20_30_5 | כִּלְהֵ | KLH | ein Ende/Vernichtung |
| 18. | 263. | 263. | 1031. | 1031. | 61. | 2 | 21 | 1_20 | אִךְ | AK | ja/nur |
| 19. | 264. | 264. | 1033. | 1033. | 63. | 5 | 92 | 50_2_5_30_5 | וְנִבְּלָה | NBHLH | ein plötzliches Ende/Schrecken |
| 20. | 265. | 265. | 1038. | 1038. | 68. | 4 | 385 | 10_70_300_5 | יַעֲשֶׂה | JaSH | wird er machen/er bereitet |
| 21. | 266. | 266. | 1042. | 1042. | 72. | 2 | 401 | 1_400 | אֵת | AT | ** |
| 22. | 267. | 267. | 1044. | 1044. | 74. | 2 | 50 | 20_30 | כָּל | KL | (mit) all(en) |
| 23. | 268. | 268. | 1046. | 1046. | 76. | 4 | 322 | 10_300_2_10 | יֹשְׁבֵי | JSBJ | (den) Bewohnern |
| 24. | 269. | 269. | 1050. | 1050. | 80. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הָאָרֶץ | HARß | des Landes/der Erde |

Ende des Verses 1.18

Verse: 18, Buchstaben: 83, 1053, 1053, Totalwerte: 4713, 58170, 58170

auch ihr Silber, auch ihr Gold wird sie nicht erretten können am Tage des Grimmes Jahwes; und durch das Feuer seines Eifers wird das ganze Land verzehrt werden. Denn ein Ende, ja, ein plötzliches Ende wird er machen mit allen Bewohnern des Landes.

Ende des Kapitels 1

– 2.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|----|------|-----|-------|-----|------|------|-----------------------|------------------|-----------|----------------------------------|
| 1. | 1. | 270. | 1. | 1054. | 1. | 7 | 1117 | 5_400_100_6_300_300_6 | הַתְּקוּשָׁוּ | HTQWSSW | geht in euch/rafft euch zusammen |
| 2. | 2. | 271. | 8. | 1061. | 8. | 5 | 418 | 6_100_6_300_6 | וְקִשְׁוּ | WQWSW | und sammelt euch |
| 3. | 3. | 272. | 13. | 1066. | 13. | 4 | 24 | 5_3_6_10 | הַנְּוִי | HGWJ | du Nation/das Volk |
| 4. | 4. | 273. | 17. | 1070. | 17. | 2 | 31 | 30_1 | לֹא | LA | ohne/(welches) nicht |
| 5. | 5. | 274. | 19. | 1072. | 19. | 4 | 210 | 50_20_60_80 | וְכִסְפּוֹ | NKsP | Scham/er (=es) schämt sich |

Ende des Verses 2.1

Verse: 19, Buchstaben: 22, 22, 1075, Totalwerte: 1800, 1800, 59970

Gehet in euch und sammelt euch, du Nation ohne Scham,

– 2.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|-----|-------|-----|------|-----|----------------|-----------|-----------|----------------------------------|
| 1. | 6. | 275. | 23. | 1076. | 1. | 4 | 251 | 2.9_200_40 | בטרם | BtRM | ehe/noch bevor |
| 2. | 7. | 276. | 27. | 1080. | 5. | 3 | 434 | 30.4_400 | לדה | LDT | gebiert/ein Gebären |
| 3. | 8. | 277. | 30. | 1083. | 8. | 2 | 108 | 8_100 | חק | CQ | der Beschluss/Festgesetztes |
| 4. | 9. | 278. | 32. | 1085. | 10. | 3 | 150 | 20_40_90 | קמצ | KMB | wie Spreu |
| 5. | 10. | 279. | 35. | 1088. | 13. | 3 | 272 | 70_2_200 | עבר | aBR | fährt daher/er (=es) ging vorbei |
| 6. | 11. | 280. | 38. | 1091. | 16. | 3 | 56 | 10_6_40 | יום | JWM | der Tag |
| 7. | 12. | 281. | 41. | 1094. | 19. | 4 | 251 | 2.9_200_40 | בטרם | BtRM | ehe denn/ehe dass |
| 8. | 13. | 282. | 45. | 1098. | 23. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | /nicht |
| 9. | 14. | 283. | 47. | 1100. | 25. | 4 | 19 | 10_2_6_1 | יבוא | JBWA | komme/er (=es) kommt |
| 10. | 15. | 284. | 51. | 1104. | 29. | 5 | 170 | 70_30_10_20_40 | עליכמ | aLJKM | über euch |
| 11. | 16. | 285. | 56. | 1109. | 34. | 4 | 264 | 8_200_6_50 | חרונ | CRWN | die Glut |
| 12. | 17. | 286. | 60. | 1113. | 38. | 2 | 81 | 1.80 | אפ | AP | des Zorns |
| 13. | 18. | 287. | 62. | 1115. | 40. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 14. | 19. | 288. | 66. | 1119. | 44. | 4 | 251 | 2.9_200_40 | בטרם | BtRM | ehe denn/bevor |
| 15. | 20. | 289. | 70. | 1123. | 48. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | /nicht |
| 16. | 21. | 290. | 72. | 1125. | 50. | 4 | 19 | 10_2_6_1 | יבוא | JBWA | komme/er (=es) kommt |
| 17. | 22. | 291. | 76. | 1129. | 54. | 5 | 170 | 70_30_10_20_40 | עליכמ | aLJKM | über euch |
| 18. | 23. | 292. | 81. | 1134. | 59. | 3 | 56 | 10_6_40 | יום | JWM | der Tag |
| 19. | 24. | 293. | 84. | 1137. | 62. | 2 | 81 | 1.80 | אפ | AP | des Zorns |
| 20. | 25. | 294. | 86. | 1139. | 64. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |

Ende des Verses 2.2

Verse: 20, Buchstaben: 67, 89, 1142, Totalwerte: 2747, 4547, 62717

ehe der Beschluß gebiert, -wie Spreu fährt der Tag daher-ehe denn über euch komme die Glut des Zornes Jahwes, ehe denn über euch komme der Tag des Zornes Jahwes!

– 2.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|------|------------------|-----------|-----------|--------------------------------|
| 1. | 26. | 295. | 90. | 1143. | 1. | 4 | 408 | 2_100_300_6 | בקשו | BQSW | suchet |
| 2. | 27. | 296. | 94. | 1147. | 5. | 2 | 401 | 1_400 | אה | AT | ** |
| 3. | 28. | 297. | 96. | 1149. | 7. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 4. | 29. | 298. | 100. | 1153. | 11. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | all(e) |
| 5. | 30. | 299. | 102. | 1155. | 13. | 4 | 136 | 70_50_6_10 | ענוי | aNWJ | ihr Sanftmütigen/ihr Demütigen |
| 6. | 31. | 300. | 106. | 1159. | 17. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ | HARß | des Landes/der Erde |
| 7. | 32. | 301. | 110. | 1163. | 21. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | die ihr/welche |
| 8. | 33. | 302. | 113. | 1166. | 24. | 5 | 435 | 40_300_80_9_6 | משפטו | MSPtW | sein Recht/sein Gebot |
| 9. | 34. | 303. | 118. | 1171. | 29. | 4 | 186 | 80_70_30_6 | פעלו | PaLW | gewirkt habt/sie taten |
| 10. | 35. | 304. | 122. | 1175. | 33. | 4 | 408 | 2_100_300_6 | בקשו | BQSW | suchet |
| 11. | 36. | 305. | 126. | 1179. | 37. | 3 | 194 | 90_4_100 | צדק | ßDQ | Gerechtigkeit |
| 12. | 37. | 306. | 129. | 1182. | 40. | 4 | 408 | 2_100_300_6 | בקשו | BQSW | suchet |
| 13. | 38. | 307. | 133. | 1186. | 44. | 4 | 131 | 70_50_6_5 | ענוה | aNWH | Demut |
| 14. | 39. | 308. | 137. | 1190. | 48. | 4 | 47 | 1_6_30_10 | אולי | AWLJ | vielleicht |
| 15. | 40. | 309. | 141. | 1194. | 52. | 5 | 1066 | 400_60_400_200_6 | תסתרו | TsTRW | ihr werdet geborgen |
| 16. | 41. | 310. | 146. | 1199. | 57. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום | BJWM | am Tag |
| 17. | 42. | 311. | 150. | 1203. | 61. | 2 | 81 | 1_80 | אפ | AP | des Zorns |
| 18. | 43. | 312. | 152. | 1205. | 63. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |

Ende des Verses 2.3

Verse: 21, Buchstaben: 66, 155, 1208, Totalwerte: 4858, 9405, 67575

Suchet Jahwe, alle ihr Sanftmütigen des Landes, die ihr sein Recht gewirkt habt; suchet Gerechtigkeit, suchet Demut; vielleicht werdet ihr geborgen am Tage des Zornes Jahwes.

– 2.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|-----------|-----------|--|
| 1. | 44. | 313. | 156. | 1209. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn/gewiss |
| 2. | 45. | 314. | 158. | 1211. | 3. | 3 | 82 | 70_7_5 | עזה | aZH | Gasa/Gasa//<die Starke> |
| 3. | 46. | 315. | 161. | 1214. | 6. | 5 | 90 | 70_7_6_2_5 | עזובה | aZWBH | verlassen/(eine) Verlassene |
| 4. | 47. | 316. | 166. | 1219. | 11. | 4 | 420 | 400_5_10_5 | חיה | THJH | (sie) wird (sein) |
| 5. | 48. | 317. | 170. | 1223. | 15. | 7 | 493 | 6_1_300_100_30_6_50 | ואשקלון | WASQLWN | und Askalon/und Aschkelon //<Wanderung> |
| 6. | 49. | 318. | 177. | 1230. | 22. | 5 | 415 | 30_300_40_40_5 | לשממה | LSMMH | eine Wüste/eine Einöde |
| 7. | 50. | 319. | 182. | 1235. | 27. | 5 | 315 | 1_300_4_6_4 | אשרוד | ASDWD | Asdod/Aschdod//<Festung> |
| 8. | 51. | 320. | 187. | 1240. | 32. | 6 | 347 | 2_90_5_200_10_40 | בצהרימ | BßHRJM | am hellen Mittag/bei Mittag |
| 9. | 52. | 321. | 193. | 1246. | 38. | 6 | 524 | 10_3_200_300_6_5 | יגרשוה | JGRSWH | wird man es vertreiben/sie werden vertreiben sie |
| 10. | 53. | 322. | 199. | 1252. | 44. | 6 | 432 | 6_70_100_200_6_50 | ועקרונו | WaQRWN | und Ekron///<weggerissen> |
| 11. | 54. | 323. | 205. | 1258. | 50. | 4 | 770 | 400_70_100_200 | תעקר | TaQR | wird entwurzelt werden/sie wird ausgerottet |

Ende des Verses 2.4

Verse: 22, Buchstaben: 53, 208, 1261, Totalwerte: 3918, 13323, 71493

Denn Gasa wird verlassen und Askalon eine Wüste sein; Asdod: am hellen Mittag wird man es vertreiben, und Ekron wird entwurzelt werden.

– 2.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|-------------------|--|-----------------|
| 1. | 55. | 324. | 209. | 1262. | 1. | 3 | 21 | 5.6_10 | הוי HWJ | wehe | |
| 2. | 56. | 325. | 212. | 1265. | 4. | 4 | 322 | 10.300.2.10 | ישבי JSBJ | den Bewohnern/(Be)Siedelnde | |
| 3. | 57. | 326. | 216. | 1269. | 8. | 3 | 40 | 8.2.30 | חבל CBL | des Landstrichs/den Landstrich | |
| 4. | 58. | 327. | 219. | 1272. | 11. | 3 | 55 | 5.10.40 | הימ HJM | am Meer/des Meeres | |
| 5. | 59. | 328. | 222. | 1275. | 14. | 3 | 19 | 3.6.10 | גוי GWJ | der Nation/Volk | |
| 6. | 60. | 329. | 225. | 1278. | 17. | 5 | 670 | 20.200.400.10.40 | ךרתים KRTJM | der Kerethiter/der Kreter//<Scharfrichter> | |
| 7. | 61. | 330. | 230. | 1283. | 22. | 3 | 206 | 4.2.200 | דבר DBR | das Wort | |
| 8. | 62. | 331. | 233. | 1286. | 25. | 4 | 26 | 10.5.6.5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |
| 9. | 63. | 332. | 237. | 1290. | 29. | 5 | 170 | 70.30.10.20.40 | עליכמ aLJKM | kommt über euch/ergeht wider euch | |
| 10. | 64. | 333. | 242. | 1295. | 34. | 4 | 190 | 20.50.70.50 | ךנענ KNaN | Kanaan///<Niederung> | |
| 11. | 65. | 334. | 246. | 1299. | 38. | 3 | 291 | 1.200.90 | ארצ ARß | (du) Land | |
| 12. | 66. | 335. | 249. | 1302. | 41. | 6 | 860 | 80.30.300.400.10.40 | ףלשתימ PLSTJM | der Philister | |
| 13. | 67. | 336. | 255. | 1308. | 47. | 8 | 448 | 6.5.1.2.4.400.10.20 | והאברתיכ WHABDTJK | und ich werde dich vernichten | |
| 14. | 68. | 337. | 263. | 1316. | 55. | 4 | 101 | 40.1.10.50 | מאין MAJN | dass nicht mehr bleibt/dass nicht mehr existiert | |
| 15. | 69. | 338. | 267. | 1320. | 59. | 4 | 318 | 10.6.300.2 | יושב JWSB | (ein) Bewohner | |

Ende des Verses 2.5

Verse: 23, Buchstaben: 62, 270, 1323, Totalwerte: 3737, 17060, 75230

Wehe den Bewohnern des Landstrichs am Meere, der Nation der Kerethiter! Das Wort Jahwes kommt über euch, Kanaan, Land der Philister! Und ich werde dich vernichten, daß kein Bewohner mehr bleibt.

– 2.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|-----------------------------|
| 1. | 70. | 339. | 271. | 1324. | 1. | 5 | 426 | 6_5_10_400_5 | והיתה | WHJTH | und sie (=es) wird (werden) |
| 2. | 71. | 340. | 276. | 1329. | 6. | 3 | 40 | 8_2_30 | הבל | CBL | der Landstrich |
| 3. | 72. | 341. | 279. | 1332. | 9. | 3 | 55 | 5_10_40 | הים | HJM | am Meer |
| 4. | 73. | 342. | 282. | 1335. | 12. | 3 | 456 | 50_6_400 | נות | NWT | zu Triften |
| 5. | 74. | 343. | 285. | 1338. | 15. | 3 | 620 | 20_200_400 | כרת | KRT | voll Zisternen/mit Auen |
| 6. | 75. | 344. | 288. | 1341. | 18. | 4 | 320 | 200_70_10_40 | רעים | RaJM | für Hirten |
| 7. | 76. | 345. | 292. | 1345. | 22. | 6 | 619 | 6_3_4_200_6_400 | וגדרוה | WGDRWT | und Hürden |
| 8. | 77. | 346. | 298. | 1351. | 28. | 3 | 141 | 90_1_50 | קאן | ßAN | (für) (Klein)Vieh |

Ende des Verses 2.6

Verse: 24, Buchstaben: 30, 300, 1353, Totalwerte: 2677, 19737, 77907

Und der Landstrich am Meere wird zu Triften voll Hirtenzisternen und Kleinviehhürden werden;

– 2.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|-----------|-----------|--|
| 1. | 78. | 347. | 301. | 1354. | 1. | 4 | 26 | 6.5_10_5 | והיה | WHJH | und er (=es) wird sein |
| 2. | 79. | 348. | 305. | 1358. | 5. | 3 | 40 | 8.2_30 | חבל | CBL | ein Landstrich/der Landstrich |
| 3. | 80. | 349. | 308. | 1361. | 8. | 6 | 941 | 30_300_1_200_10_400 | לשארית | LSARJT | für den Überrest/dem Überrest |
| 4. | 81. | 350. | 314. | 1367. | 14. | 3 | 412 | 2_10_400 | בית | BJT | des Hauses/vom Haus |
| 5. | 82. | 351. | 317. | 1370. | 17. | 5 | 30 | 10_5_6_4_5 | יהודה | JHWDH | Juda///<Lobpreis> |
| 6. | 83. | 352. | 322. | 1375. | 22. | 5 | 155 | 70_30_10_5_40 | עליהם | aLJHM | darauf |
| 7. | 84. | 353. | 327. | 1380. | 27. | 5 | 336 | 10_200_70_6_50 | ירעו | JRaWN | werden sie weiden/sie sollen weiden |
| 8. | 85. | 354. | 332. | 1385. | 32. | 4 | 414 | 2.2_400_10 | בבתי | BBTJ | (und) in den Häusern |
| 9. | 86. | 355. | 336. | 1389. | 36. | 6 | 487 | 1.300_100_30_6_50 | אשקלון | ASQLWN | Askalons/Aschkelon |
| 10. | 87. | 356. | 342. | 1395. | 42. | 4 | 274 | 2.70_200_2 | בערב | BaRB | am Abend |
| 11. | 88. | 357. | 346. | 1399. | 46. | 6 | 358 | 10_200_2_90_6_50 | ירבצו | JRBßWN | sich lagern/sie werden lagern |
| 12. | 89. | 358. | 352. | 1405. | 52. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 13. | 90. | 359. | 354. | 1407. | 54. | 5 | 234 | 10_80_100_4_40 | יפקדמ | JPQDM | (es) wird sich ihrer annehmen/er (=es) wird heimsuchen sie |
| 14. | 91. | 360. | 359. | 1412. | 59. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 15. | 92. | 361. | 363. | 1416. | 63. | 6 | 91 | 1.30_5_10_5_40 | אלהיהם | ALHJHM | ihr Gott |
| 16. | 93. | 362. | 369. | 1422. | 69. | 3 | 308 | 6.300_2 | ושב | WSB | und wenden/und er (=es) wird wenden |
| 17. | 94. | 363. | 372. | 1425. | 72. | 5 | 748 | 300_2.6_400_40 | שבותם | SBWTM | ihre Gefangenschaft/ihr Geschick |

Ende des Verses 2.7

Verse: 25, Buchstaben: 76, 376, 1429, Totalwerte: 4910, 24647, 82817

und es wird ein Landstrich sein für den Überrest des Hauses Juda: sie werden darauf weiden und am Abend sich lagern in den Häusern Askalons; denn Jahwe, ihr Gott, wird sich ihrer annehmen und ihre Gefangenschaft wenden.

– 2.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|--|
| 1. | 95. | 364. | 377. | 1430. | 1. | 5 | 820 | 300_40_70_400_10 | שמעתי | SMaTJ | ich habe gehört |
| 2. | 96. | 365. | 382. | 1435. | 6. | 4 | 688 | 8_200_80_400 | חרפת | CRPT | die Schmähung |
| 3. | 97. | 366. | 386. | 1439. | 10. | 4 | 49 | 40_6_1_2 | מואב | MWAB | Moab(s)/// <vom Vater> |
| 4. | 98. | 367. | 390. | 1443. | 14. | 6 | 109 | 6_3_4_6_80_10 | ונדופי | WGDWPJ | und die Lästerungen/und die Beschimpfungen |
| 5. | 99. | 368. | 396. | 1449. | 20. | 3 | 62 | 2_50_10 | בני | BNJ | der Kinder/der Söhne |
| 6. | 100. | 369. | 399. | 1452. | 23. | 4 | 166 | 70_40_6_50 | עמון | aMWN | Ammon(s)/// <Sohn meines Blutsverwandten> |
| 7. | 101. | 370. | 403. | 1456. | 27. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | womit/welche |
| 8. | 102. | 371. | 406. | 1459. | 30. | 4 | 294 | 8_200_80_6 | חרפו | CRPW | sie geschmäht haben/sie schmähten |
| 9. | 103. | 372. | 410. | 1463. | 34. | 2 | 401 | 1_400 | אה | AT | ** |
| 10. | 104. | 373. | 412. | 1465. | 36. | 3 | 120 | 70_40_10 | עמי | aMJ | mein Volk |
| 11. | 105. | 374. | 415. | 1468. | 39. | 7 | 69 | 6_10_3_4_10_30_6 | ויגדילו | WJGDJLW | und groß getan/und sie taten groß |
| 12. | 106. | 375. | 422. | 1475. | 46. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | wider |
| 13. | 107. | 376. | 424. | 1477. | 48. | 5 | 81 | 3_2_6_30_40 | גבולם | GBWLM | dessen Gebiet/ihr Gebiet |

Ende des Verses 2.8

Verse: 26, Buchstaben: 52, 428, 1481, Totalwerte: 3460, 28107, 86277

Ich habe gehört die Schmähung Moabs und die Lästerungen der Kinder Ammon, womit sie mein Volk geschmäht und großgetan haben wider dessen Gebiet.

– 2.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|------------------|-------------|--|-----------------|
| 1. | 108. | 377. | 429. | 1482. | 1. | 3 | 100 | 30_20_50 | לכנ LKN | darum | |
| 2. | 109. | 378. | 432. | 1485. | 4. | 2 | 18 | 8_10 | חי CJ | sowahr lebe(nd) | |
| 3. | 110. | 379. | 434. | 1487. | 6. | 3 | 61 | 1_50_10 | אני ANJ | ich (bin) | |
| 4. | 111. | 380. | 437. | 1490. | 9. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאם NAM | spricht/Spruch | |
| 5. | 112. | 381. | 440. | 1493. | 12. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |
| 6. | 113. | 382. | 444. | 1497. | 16. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות BBAWT | (der) Heerscharen | |
| 7. | 114. | 383. | 449. | 1502. | 21. | 4 | 46 | 1_30_5_10 | אלהי ALHJ | der Gott/des Gottes | |
| 8. | 115. | 384. | 453. | 1506. | 25. | 5 | 541 | 10_300_200_1_30 | ישראל JSRAL | Israels/(von) Israel | |
| 9. | 116. | 385. | 458. | 1511. | 30. | 2 | 30 | 20_10 | כי KJ | gewiss(lich) | |
| 10. | 117. | 386. | 460. | 1513. | 32. | 4 | 49 | 40_6_1_2 | מואב MWAB | Moab | |
| 11. | 118. | 387. | 464. | 1517. | 36. | 4 | 124 | 20_60_4_40 | קסדמ KsDM | wie Sodom/// <brennend> | |
| 12. | 119. | 388. | 468. | 1521. | 40. | 4 | 420 | 400_5_10_5 | תהיה THJH | soll werden/sie (=es) wird sein | |
| 13. | 120. | 389. | 472. | 1525. | 44. | 4 | 68 | 6_2_50_10 | ובני WBNJ | und die Kinder/und die Söhne | |
| 14. | 121. | 390. | 476. | 1529. | 48. | 4 | 166 | 70_40_6_50 | עמון aMWN | Ammon(s) | |
| 15. | 122. | 391. | 480. | 1533. | 52. | 5 | 335 | 20_70_40_200_5 | קעמרה KaMRH | wie Gomorra/// <Untergang> | |
| 16. | 123. | 392. | 485. | 1538. | 57. | 4 | 480 | 40_40_300_100 | משק MMSQ | (ein) Besitztum | |
| 17. | 124. | 393. | 489. | 1542. | 61. | 4 | 244 | 8_200_6_30 | חרול CRWL | der (Brenn)Nessel(n) | |
| 18. | 125. | 394. | 493. | 1546. | 65. | 5 | 271 | 6_40_20_200_5 | ומכרה WMKRH | und eine Grube | |
| 19. | 126. | 395. | 498. | 1551. | 70. | 3 | 78 | 40_30_8 | מלח MLC | von Salz | |
| 20. | 127. | 396. | 501. | 1554. | 73. | 5 | 391 | 6_300_40_40_5 | ושממה WSMMH | und eine Wüste/und Einöde | |
| 21. | 128. | 397. | 506. | 1559. | 78. | 2 | 74 | 70_4 | עד aD | /für | |
| 22. | 129. | 398. | 508. | 1561. | 80. | 4 | 146 | 70_6_30_40 | עולמ aWLM | ewig(lich) | |
| 23. | 130. | 399. | 512. | 1565. | 84. | 5 | 911 | 300_1_200_10_400 | שארית SARJT | (der) Überrest | |
| 24. | 131. | 400. | 517. | 1570. | 89. | 3 | 120 | 70_40_10 | עמי aMJ | meines Volkes | |
| 25. | 132. | 401. | 520. | 1573. | 92. | 5 | 65 | 10_2_7_6_40 | יבזמ JBZWM | wird sie berauben/(sie) wird ausplündern sie | |

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|------|------|-----|-----------------|------------------|-----------|-------------------------------------|
| 26. | 133. | 402. | 525. | 1578. | 97. | 4 | 616 | 6_10_400_200 | ויתר | WJTR | und das Überbleibsel/und der Rest |
| 27. | 134. | 403. | 529. | 1582. | 101. | 3 | 19 | 3_6_10 | גוי | GWJ | meiner Nation/meines (Stammes)Volks |
| 28. | 135. | 404. | 532. | 1585. | 104. | 6 | 144 | 10_50_8_30_6_40 | ינהלום | JNCLWM | (wird) beerben sie |

Ende des Verses 2.9

Verse: 27, Buchstaben: 109, 537, 1590, Totalwerte: 6133, 34240, 92410

Darum, so wahr ich lebe, spricht Jahwe der Heerscharen, der Gott Israels, soll Moab gewißlich wie Sodom, und die Kinder Ammon wie Gomorra werden, ein Besitztum der Brennesseln und eine Salzgrube und eine Wüste ewiglich. Der Überrest meines Volkes wird sie berauben, und das Überbleibsel meiner Nation sie beerben.

– 2.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|---------------|------------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 136. | 405. | 538. | 1591. | 1. | 3 | 408 | 7_1_400 | זאת | ZAT | solches wird zuteil/diese (Dinge) |
| 2. | 137. | 406. | 541. | 1594. | 4. | 3 | 75 | 30_5_40 | להם | LHM | ((zu) ihnen |
| 3. | 138. | 407. | 544. | 1597. | 7. | 3 | 808 | 400_8_400 | תחת | TCT | für |
| 4. | 139. | 408. | 547. | 1600. | 10. | 5 | 100 | 3_1_6_50_40 | גאונם | GAWNM | ihren Hochmut |
| 5. | 140. | 409. | 552. | 1605. | 15. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | weil |
| 6. | 141. | 410. | 554. | 1607. | 17. | 4 | 294 | 8_200_80_6 | חרפו | CRPW | sie geschmäht/sie gehöhnt |
| 7. | 142. | 411. | 558. | 1611. | 21. | 6 | 59 | 6_10_3_4_30_6 | ויגדלו | WJGDLW | und (sie) großgetan (haben) |
| 8. | 143. | 412. | 564. | 1617. | 27. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | wider (dasselbe) |
| 9. | 144. | 413. | 566. | 1619. | 29. | 2 | 110 | 70_40 | עם | aM | ((das) Volk |
| 10. | 145. | 414. | 568. | 1621. | 31. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 11. | 146. | 415. | 572. | 1625. | 35. | 5 | 499 | 90_2_1_6_400 | קבאות | ßBAWT | ((der) Heerscharen |

Ende des Verses 2.10

Verse: 28, Buchstaben: 39, 576, 1629, Totalwerte: 2509, 36749, 94919

Solches wird ihnen für ihren Hochmut zuteil, weil sie das Volk Jahwes der Heerscharen geschmäht und wider dasselbe großgetan haben.

– 2.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|-------------------|-----------|--|
| 1. | 147. | 416. | 577. | 1630. | 1. | 4 | 257 | 50_6_200_1 | נִרְאָה | NWRA | furchtbar wird sein/er (=es) ist furchtbar |
| 2. | 148. | 417. | 581. | 1634. | 5. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 149. | 418. | 585. | 1638. | 9. | 5 | 155 | 70_30_10_5_40 | עֲלֵיהֶם | aLJHM | wider sie/an ihnen |
| 4. | 150. | 419. | 590. | 1643. | 14. | 2 | 30 | 20_10 | כִּי | KJ | denn |
| 5. | 151. | 420. | 592. | 1645. | 16. | 3 | 212 | 200_7_5 | רִוּחַ | RZH | er wird hinschwinden lassen/er macht schwinden |
| 6. | 152. | 421. | 595. | 1648. | 19. | 2 | 401 | 1_400 | אֵת | AT | ** |
| 7. | 153. | 422. | 597. | 1650. | 21. | 2 | 50 | 20_30 | כָּל | KL | all(e) |
| 8. | 154. | 423. | 599. | 1652. | 23. | 4 | 46 | 1_30_5_10 | אֱלֹהֵי | ALHJ | ((die) Götter |
| 9. | 155. | 424. | 603. | 1656. | 27. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הָאָרֶץ | HARß | der Erde |
| 10. | 156. | 425. | 607. | 1660. | 31. | 7 | 736 | 6_10_300_400_8_6_6 | וַיִּשְׁתַּחֲוּוּ | WJSTCWW | und (es) werden anbeten/und sie werden sich niederwerfen |
| 11. | 157. | 426. | 614. | 1667. | 38. | 2 | 36 | 30_6 | לוֹ | LW | ihn/vor ihm |
| 12. | 158. | 427. | 616. | 1669. | 40. | 3 | 311 | 1_10_300 | אִישׁ | AJS | ((ein) jeder |
| 13. | 159. | 428. | 619. | 1672. | 43. | 6 | 232 | 40_40_100_6_40_6 | מִמְקוֹמוֹ | MMQWMW | von seiner Stätte aus |
| 14. | 160. | 429. | 625. | 1678. | 49. | 2 | 50 | 20_30 | כָּל | KL | alle |
| 15. | 161. | 430. | 627. | 1680. | 51. | 3 | 21 | 1_10_10 | אֵי | AJJ | ((die) Inseln |
| 16. | 162. | 431. | 630. | 1683. | 54. | 5 | 64 | 5_3_6_10_40 | הַגּוֹיִם | HGWJM | der Nationen/der Völker |

Ende des Verses 2.11

Verse: 29, Buchstaben: 58, 634, 1687, Totalwerte: 2923, 39672, 97842

Furchtbar wird Jahwe wider sie sein, denn er wird hinschwinden lassen alle Götter der Erde; und alle Inseln der Nationen werden ihn anbeten, ein jeder von seiner Stätte aus.

– 2.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|-------------------------------------|
| 1. | 163. | 432. | 635. | 1688. | 1. | 2 | 43 | 3_40 | גַּמ | GM | auch |
| 2. | 164. | 433. | 637. | 1690. | 3. | 3 | 441 | 1_400_40 | אַתֶּם | ATM | ihr |
| 3. | 165. | 434. | 640. | 1693. | 6. | 5 | 376 | 20_6_300_10_40 | קְוֹשִׁימ | KWSJM | Äthiopier/Kuschiter |
| 4. | 166. | 435. | 645. | 1698. | 11. | 4 | 78 | 8_30_30_10 | חֲלָלִי | CLLJ | Erschlagene/Durchbohrte |
| 5. | 167. | 436. | 649. | 1702. | 15. | 4 | 220 | 8_200_2_10 | חֶרְבִּי | CRBJ | meines Schwertes/von meinem Schwert |
| 6. | 168. | 437. | 653. | 1706. | 19. | 3 | 50 | 5_40_5 | הִמָּה | HMH | werdet sein/sie (werden) |

Ende des Verses 2.12

Verse: 30, Buchstaben: 21, 655, 1708, Totalwerte: 1208, 40880, 99050

Auch ihr, Äthiopier, werdet Erschlagene meines Schwertes sein.

– 2.13

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|---|
| 1. | 169. | 438. | 656. | 1709. | 1. | 3 | 25 | 6_10_9 | וַיִּטּוּ | WJt | und er wird ausstrecken/und er reckt |
| 2. | 170. | 439. | 659. | 1712. | 4. | 3 | 20 | 10_4_6 | יָדוֹ | JDW | seine Hand |
| 3. | 171. | 440. | 662. | 1715. | 7. | 2 | 100 | 70_30 | עַל | aL | gegen |
| 4. | 172. | 441. | 664. | 1717. | 9. | 4 | 226 | 90_80_6_50 | קִפּוֹנֵי | ßPWN | Norden |
| 5. | 173. | 442. | 668. | 1721. | 13. | 5 | 23 | 6_10_1_2_4 | וַיִּאַבֵּד | WJABD | und wird vernichten/und er richtet zugrunde |
| 6. | 174. | 443. | 673. | 1726. | 18. | 2 | 401 | 1_400 | אֵת | AT | ** |
| 7. | 175. | 444. | 675. | 1728. | 20. | 4 | 507 | 1_300_6_200 | אֲשׁוּר | ASWR | Assyrien/Assur//<ebene Fläche> |
| 8. | 176. | 445. | 679. | 1732. | 24. | 4 | 356 | 6_10_300_40 | וַיַּשְׁמֵם | WJSM | und machen/und er macht |
| 9. | 177. | 446. | 683. | 1736. | 28. | 2 | 401 | 1_400 | אֵת | AT | ** |
| 10. | 178. | 447. | 685. | 1738. | 30. | 5 | 121 | 50_10_50_6_5 | וַיְנַוְהָ | NJNWH | Ninive///<Wohnung> |
| 11. | 179. | 448. | 690. | 1743. | 35. | 5 | 415 | 30_300_40_40_5 | לְשִׁמְמָה | LSMMH | zur Wüste/zur Einöde |
| 12. | 180. | 449. | 695. | 1748. | 40. | 3 | 105 | 90_10_5 | וַיִּיָּבֶשׁ | ßJH | dürr/Trockenheit |
| 13. | 181. | 450. | 698. | 1751. | 43. | 5 | 266 | 20_40_4_2_200 | כַּמְדְּבָר | KMDBR | wie die Steppe/wie die Wüste |

Ende des Verses 2.13

Verse: 31, Buchstaben: 47, 702, 1755, Totalwerte: 2966, 43846, 102016

Und er wird seine Hand gegen Norden ausstrecken, und wird Assyrien vernichten und Ninive zur Wüste machen, dürr wie die Steppe.

– 2.14

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|-----------|-----------|--|
| 1. | 182. | 451. | 703. | 1756. | 1. | 5 | 304 | 6_200_2_90_6 | ורבצו | WRBßW | und sie (=es) werden (sich) lagern |
| 2. | 183. | 452. | 708. | 1761. | 6. | 5 | 433 | 2_400_6_20_5 | בתוכה | BTWKH | in seiner Mitte/in ihrer Mitte |
| 3. | 184. | 453. | 713. | 1766. | 11. | 5 | 324 | 70_4_200_10_40 | עדרימ | aDRJM | Herden |
| 4. | 185. | 454. | 718. | 1771. | 16. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | allerlei/alles |
| 5. | 186. | 455. | 720. | 1773. | 18. | 4 | 424 | 8_10_400_6 | חיתו | CJTW | Tiere/Getier |
| 6. | 187. | 456. | 724. | 1777. | 22. | 3 | 19 | 3_6_10 | גוי | GWJ | in Menge/(des) Volkes |
| 7. | 188. | 457. | 727. | 1780. | 25. | 2 | 43 | 3_40 | גמ | GM | auch/sowohl |
| 8. | 189. | 458. | 729. | 1782. | 27. | 3 | 501 | 100_1_400 | קאת | QAT | Pelikan(e) |
| 9. | 190. | 459. | 732. | 1785. | 30. | 2 | 43 | 3_40 | גמ | GM | als) auch |
| 10. | 191. | 460. | 734. | 1787. | 32. | 3 | 184 | 100_80_4 | קפר | QPD | Igel/Rohrdommel |
| 11. | 192. | 461. | 737. | 1790. | 35. | 7 | 717 | 2_20_80_400_200_10_5 | בכפתריה | BKPTRJH | auf seinen Säulenknäufen/in ihren Kapitällen |
| 12. | 193. | 462. | 744. | 1797. | 42. | 5 | 106 | 10_30_10_50_6 | ילינו | JLJNW | werden übernachten/sie werden nächtigen |
| 13. | 194. | 463. | 749. | 1802. | 47. | 3 | 136 | 100_6_30 | קול | QWL | (eine) Stimme |
| 14. | 195. | 464. | 752. | 1805. | 50. | 5 | 716 | 10_300_6_200_200 | ישורר | JSWRR | singt/sie (=es) tönt |
| 15. | 196. | 465. | 757. | 1810. | 55. | 5 | 96 | 2_8_30_6_50 | בחלות | BCLWN | im Fenster/durch das Fenster |
| 16. | 197. | 466. | 762. | 1815. | 60. | 3 | 210 | 8_200_2 | חרב | CRB | Trümmer/Verwüstung |
| 17. | 198. | 467. | 765. | 1818. | 63. | 3 | 142 | 2_60_80 | בספ | BsP | sind auf der Schwelle/(ist) an der Schwelle |
| 18. | 199. | 468. | 768. | 1821. | 66. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 19. | 200. | 469. | 770. | 1823. | 68. | 4 | 213 | 1_200_7_5 | אריה | ARZH | das Zederngetäfel/Zederwerk |
| 20. | 201. | 470. | 774. | 1827. | 72. | 3 | 275 | 70_200_5 | ערה | aRH | hat er bloßgelegt/man entblößte |

Ende des Verses 2.14

Verse: 32, Buchstaben: 74, 776, 1829, Totalwerte: 4966, 48812, 106982

Und in seiner Mitte werden Herden sich lagern, allerlei Tiere in Menge; auch Pelikane, auch Igel werden auf seinen Säulenknäufen übernachten. Eine Stimme singt im Fenster, Trümmer sind auf der Schwelle, denn er hat das Zederngetäfel bloßgelegt.

– 2.15

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|------------------|-----------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 202. | 471. | 777. | 1830. | 1. | 3 | 408 | 7.1_400 | זאת | ZAT | das (ist) |
| 2. | 203. | 472. | 780. | 1833. | 4. | 4 | 285 | 5.70_10_200 | העיר | HaJR | die Stadt |
| 3. | 204. | 473. | 784. | 1837. | 8. | 6 | 127 | 5.70_30_10_7_5 | העליזה | HaLJZH | frohlockende/die übermütige |
| 4. | 205. | 474. | 790. | 1843. | 14. | 6 | 723 | 5.10_6_300_2_400 | היושבת | HJWSBT | die wohnte/die wohnende |
| 5. | 206. | 475. | 796. | 1849. | 20. | 4 | 49 | 30.2_9_8 | לבטח | LBtC | in Sicherheit/in Sorglosigkeit |
| 6. | 207. | 476. | 800. | 1853. | 24. | 5 | 251 | 5.1_40_200_5 | האמרה | HAMRH | die sprach/die sagende |
| 7. | 208. | 477. | 805. | 1858. | 29. | 5 | 41 | 2.30_2_2_5 | בלבבה | BLBBH | in ihrem Herzen |
| 8. | 209. | 478. | 810. | 1863. | 34. | 3 | 61 | 1.50_10 | אני | ANJ | ich (bin es) |
| 9. | 210. | 479. | 813. | 1866. | 37. | 5 | 157 | 6.1_80_60_10 | ואפסי | WAPsJ | und gar keine/und sonst nichts |
| 10. | 211. | 480. | 818. | 1871. | 42. | 3 | 80 | 70.6_4 | עוד | aWD | sonst/mehr |
| 11. | 212. | 481. | 821. | 1874. | 45. | 3 | 31 | 1.10_20 | איך | AJK | wie |
| 12. | 213. | 482. | 824. | 1877. | 48. | 4 | 420 | 5.10_400_5 | היתה | HJTH | sie ist geworden |
| 13. | 214. | 483. | 828. | 1881. | 52. | 4 | 375 | 30_300_40_5 | לשמה | LSMH | zur Wüste/zu Entsetzen |
| 14. | 215. | 484. | 832. | 1885. | 56. | 4 | 332 | 40_200_2_90 | סרבצ | MRBß | zum Lagerplatz/ein Rastplatz |
| 15. | 216. | 485. | 836. | 1889. | 60. | 4 | 53 | 30.8_10_5 | לחיה | LCJH | der wilden Tiere/für das Tier |
| 16. | 217. | 486. | 840. | 1893. | 64. | 2 | 50 | 20.30 | ךל | KL | ((ein) jeder |
| 17. | 218. | 487. | 842. | 1895. | 66. | 4 | 278 | 70.6_2_200 | עובר | aWBR | der vortüberzieht/Vorbeziehend(e) |
| 18. | 219. | 488. | 846. | 1899. | 70. | 4 | 115 | 70.30_10_5 | עליה | aLJH | an ihr |
| 19. | 220. | 489. | 850. | 1903. | 74. | 4 | 610 | 10_300_200_100 | ישרק | JSRQ | wird zischen/er zischelt |
| 20. | 221. | 490. | 854. | 1907. | 78. | 4 | 140 | 10.50_10_70 | יניע | JNJa | wird schwenken/er schwenkt |
| 21. | 222. | 491. | 858. | 1911. | 82. | 3 | 20 | 10.4_6 | ידו | JDW | seine Hand |

Ende des Verses 2.15

Verse: 33, Buchstaben: 84, 860, 1913, Totalwerte: 4606, 53418, 111588

Das ist die frohlockende Stadt, die in Sicherheit wohnte, die in ihrem Herzen sprach: Ich bin's und gar keine sonst! Wie ist sie zur Wüste geworden, zum Lagerplatz der wilden Tiere! Ein jeder, der an ihr vorüberzieht, wird zischen, wird seine Hand schwenken.

Ende des Kapitels 2

– 3.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|----|------|-----|-------|-----|------|-----|---------------|------------------|-----------|---|
| 1. | 1. | 492. | 1. | 1914. | 1. | 3 | 21 | 5_6_10 | הוי | HWJ | wehe |
| 2. | 2. | 493. | 4. | 1917. | 4. | 4 | 246 | 40_200_1_5 | סראה | MRAH | der Widerspenstigen/(du) Widerspenstige |
| 3. | 3. | 494. | 8. | 1921. | 8. | 6 | 95 | 6_50_3_1_30_5 | ונאלה | WNGALH | und Befleckte(n) |
| 4. | 4. | 495. | 14. | 1927. | 14. | 4 | 285 | 5_70_10_200 | העיר | HaJR | der Stadt/du Stadt |
| 5. | 5. | 496. | 18. | 1931. | 18. | 5 | 76 | 5_10_6_50_5 | היונה | HJWNH | bedrückenden/du unterdrückende |

Ende des Verses 3.1

Verse: 34, Buchstaben: 22, 22, 1935, Totalwerte: 723, 723, 112311

Wehe der Widerspenstigen und Befleckten, der bedrückenden Stadt!

– 3.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|-----|-------|-----|------|-----|-------------|------------------|--------------------------------|-----------------|
| 1. | 6. | 497. | 23. | 1936. | 1. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 2. | 7. | 498. | 25. | 1938. | 3. | 4 | 415 | 300_40_70_5 | שמעה SMaH | sie hat gehört/sie (=es) hörte | |
| 3. | 8. | 499. | 29. | 1942. | 7. | 4 | 138 | 2_100_6_30 | בקול BQWL | auf eine Stimme | |
| 4. | 9. | 500. | 33. | 1946. | 11. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 5. | 10. | 501. | 35. | 1948. | 13. | 4 | 143 | 30_100_8_5 | לקחה LQCH | angenommen/sie nahm an | |
| 6. | 11. | 502. | 39. | 1952. | 17. | 4 | 306 | 40_6_60_200 | מוסר MWsR | (eine) Zucht/Zurechtweisung | |
| 7. | 12. | 503. | 43. | 1956. | 21. | 5 | 28 | 2_10_5_6_5 | ביהוה BJHWH | auf Jahwe | |
| 8. | 13. | 504. | 48. | 1961. | 26. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 9. | 14. | 505. | 50. | 1963. | 28. | 4 | 24 | 2_9_8_5 | בטחה BtCH | sie hat vertraut | |
| 10. | 15. | 506. | 54. | 1967. | 32. | 2 | 31 | 1_30 | אל AL | /zu | |
| 11. | 16. | 507. | 56. | 1969. | 34. | 5 | 51 | 1_30_5_10_5 | אלהיה ALHJH | ihrem Gott | |
| 12. | 17. | 508. | 61. | 1974. | 39. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 13. | 18. | 509. | 63. | 1976. | 41. | 4 | 307 | 100_200_2_5 | קרבה QRBH | sich genaht/sie nahte | |

Ende des Verses 3.2

Verse: 35, Buchstaben: 44, 66, 1979, Totalwerte: 1567, 2290, 113878

Sie hat auf keine Stimme gehört, keine Zucht angenommen; auf Jahwe hat sie nicht vertraut, ihrem Gott sich nicht genaht.

– 3.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|--------------------------------|
| 1. | 19. | 510. | 67. | 1980. | 1. | 4 | 515 | 300_200_10_5 | שריה | SRJH | ihre Fürsten/ihre Amtsträger |
| 2. | 20. | 511. | 71. | 1984. | 5. | 5 | 309 | 2_100_200_2_5 | בקרבה | BQRBH | in ihrer Mitte |
| 3. | 21. | 512. | 76. | 1989. | 10. | 5 | 617 | 1_200_10_6_400 | אריות | ARJWT | (sind) (wie) Löwen |
| 4. | 22. | 513. | 81. | 1994. | 15. | 5 | 354 | 300_1_3_10_40 | שאנימ | SAGJM | brüllende |
| 5. | 23. | 514. | 86. | 1999. | 20. | 5 | 404 | 300_80_9_10_5 | שפטיה | SPtJH | ihre Richter |
| 6. | 24. | 515. | 91. | 2004. | 25. | 4 | 20 | 7_1_2_10 | זאבי | ZABJ | (sind) (wie) Wölfe |
| 7. | 25. | 516. | 95. | 2008. | 29. | 3 | 272 | 70_200_2 | ערב | aRB | (am) Abend |
| 8. | 26. | 517. | 98. | 2011. | 32. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | (die) nicht(s) |
| 9. | 27. | 518. | 100. | 2013. | 34. | 4 | 249 | 3_200_40_6 | גרמו | GRMW | übriglassen/sie haben abgenagt |
| 10. | 28. | 519. | 104. | 2017. | 38. | 4 | 332 | 30_2_100_200 | לבקר | LBQR | für den Morgen/seit dem Morgen |

Ende des Verses 3.3

Verse: 36, Buchstaben: 41, 107, 2020, Totalwerte: 3103, 5393, 116981

Ihre Fürsten in ihrer Mitte sind brüllende Löwen; ihre Richter sind Abendwölfe, die nichts für den Morgen übriglassen.

– 3.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|----------------|--------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 29. | 520. | 108. | 2021. | 1. | 6 | 78 | 50_2_10_1_10_5 | נְבִיאֵיהֶם | NBJAJH | ihre Propheten |
| 2. | 30. | 521. | 114. | 2027. | 7. | 5 | 145 | 80_8_7_10_40 | פְּחֹזִימִם | PCZJM | sind Prahler/(sind) Leichtfertige |
| 3. | 31. | 522. | 119. | 2032. | 12. | 4 | 361 | 1_50_300_10 | אֲנָשִׁים | ANSJ | Männer |
| 4. | 32. | 523. | 123. | 2036. | 16. | 5 | 415 | 2_3_4_6_400 | בְּנֵי דָבָר | BGDWT | treulose/des Betrugs |
| 5. | 33. | 524. | 128. | 2041. | 21. | 5 | 90 | 20_5_50_10_5 | קְהֵנֵיהֶם | KHNJH | ihre Priester |
| 6. | 34. | 525. | 133. | 2046. | 26. | 4 | 74 | 8_30_30_6 | חִלְלוּ | CLLW | (sie) entweih(t)en |
| 7. | 35. | 526. | 137. | 2050. | 30. | 3 | 404 | 100_4_300 | קִדְשׁ | QDS | das Heiligtum/Heiliges |
| 8. | 36. | 527. | 140. | 2053. | 33. | 4 | 114 | 8_40_60_6 | חָמְסוּ | CMsW | tun Gewalt an/sie übten Gewalt |
| 9. | 37. | 528. | 144. | 2057. | 37. | 4 | 611 | 400_6_200_5 | תּוֹרָה | TWRH | dem Gesetz/(die) Weisung |

Ende des Verses 3.4

Verse: 37, Buchstaben: 40, 147, 2060, Totalwerte: 2292, 7685, 119273

Ihre Propheten sind Prahler, treulose Männer; ihre Priester entweihen das Heiligtum, tun dem Gesetze Gewalt an.

– 3.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|---------------|-----------|-----------|----------------------------------|
| 1. | 38. | 529. | 148. | 2061. | 1. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 2. | 39. | 530. | 152. | 2065. | 5. | 4 | 204 | 90_4_10_100 | צדיק | ßDJQ | (ist) gerecht |
| 3. | 40. | 531. | 156. | 2069. | 9. | 5 | 309 | 2_100_200_2_5 | בקרבה | BQRBH | in ihrer Mitte |
| 4. | 41. | 532. | 161. | 2074. | 14. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht/nie |
| 5. | 42. | 533. | 163. | 2076. | 16. | 4 | 385 | 10_70_300_5 | יעשה | JaSH | er tut |
| 6. | 43. | 534. | 167. | 2080. | 20. | 4 | 111 | 70_6_30_5 | עולה | aWLH | ein Unrecht/Verkehrtheit |
| 7. | 44. | 535. | 171. | 2084. | 24. | 4 | 304 | 2_2_100_200 | בבקר | BBQR | Morgen |
| 8. | 45. | 536. | 175. | 2088. | 28. | 4 | 304 | 2_2_100_200 | בבקר | BBQR | für Morgen/um Morgen |
| 9. | 46. | 537. | 179. | 2092. | 32. | 5 | 435 | 40_300_80_9_6 | משפטו | MSPtW | sein Recht |
| 10. | 47. | 538. | 184. | 2097. | 37. | 3 | 460 | 10_400_50 | יהג | JTN | stellt er/er gibt |
| 11. | 48. | 539. | 187. | 2100. | 40. | 4 | 237 | 30_1_6_200 | לאור | LAWR | ans Licht |
| 12. | 49. | 540. | 191. | 2104. | 44. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | ohne/nie |
| 13. | 50. | 541. | 193. | 2106. | 46. | 4 | 324 | 50_70_4_200 | נעדר | NaDR | zu fehlen/er (=es) wird vermisst |
| 14. | 51. | 542. | 197. | 2110. | 50. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | aber nicht/doch nicht//und nicht |
| 15. | 52. | 543. | 200. | 2113. | 53. | 4 | 90 | 10_6_4_70 | יודע | JWDa | kennt/er (=es) ist kennend |
| 16. | 53. | 544. | 204. | 2117. | 57. | 3 | 106 | 70_6_30 | עול | aWL | der Ungerechte/(ein) Ruchloser |
| 17. | 54. | 545. | 207. | 2120. | 60. | 3 | 702 | 2_300_400 | בשה | BST | (eine) Scham |

Ende des Verses 3.5

Verse: 38, Buchstaben: 62, 209, 2122, Totalwerte: 4096, 11781, 123369

Jahwe ist gerecht in ihrer Mitte, er tut kein Unrecht; Morgen für Morgen stellt er sein Recht ans Licht, ohne zu fehlen. Aber der Ungerechte kennt keine Scham.

– 3.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|--|
| 1. | 55. | 546. | 210. | 2123. | 1. | 5 | 635 | 5.20_200_400_10 | הכרתִי | HKRTJ | ich habe ausgerottet/ich hatte ausgerottet |
| 2. | 56. | 547. | 215. | 2128. | 6. | 4 | 59 | 3.6_10_40 | גוֹיִם | GWJM | Nationen/Völker |
| 3. | 57. | 548. | 219. | 2132. | 10. | 4 | 396 | 50_300_40_6 | נִשְׁמָו | NSMW | verödet sind/sie (=es) waren verwüstet |
| 4. | 58. | 549. | 223. | 2136. | 14. | 5 | 576 | 80_50_6_400_40 | פְּנוֹתֵי | PNWTM | ihre Zinnen |
| 5. | 59. | 550. | 228. | 2141. | 19. | 6 | 625 | 5.8_200_2_400_10 | הִחַרְבֵתִי | HCRBTJ | ich habe verwüstet/ich hatte öde gemacht |
| 6. | 60. | 551. | 234. | 2147. | 25. | 6 | 550 | 8.6_90_6_400_40 | חֻצוֹתֵי | CWßWTM | ihre Straßen |
| 7. | 61. | 552. | 240. | 2153. | 31. | 4 | 82 | 40_2_30_10 | מִבְּלִי | MBLJ | dass niemand/von Nichtsein |
| 8. | 62. | 553. | 244. | 2157. | 35. | 4 | 278 | 70_6_2_200 | עוֹבֵר | aWBR | darüber zieht/(ein) Durchziehender |
| 9. | 63. | 554. | 248. | 2161. | 39. | 4 | 150 | 50_90_4_6 | נִצְדָו | NßDW | verheert sind/sie (=es) waren zerstört |
| 10. | 64. | 555. | 252. | 2165. | 43. | 5 | 325 | 70_200_10_5_40 | עֲרִיחֵי | aRJHM | ihre Städte |
| 11. | 65. | 556. | 257. | 2170. | 48. | 4 | 82 | 40_2_30_10 | מִבְּלִי | MBLJ | dass nicht da ist/von Nichtsein |
| 12. | 66. | 557. | 261. | 2174. | 52. | 3 | 311 | 1_10_300 | אִישׁ | AJS | jemand/(ein) Mann |
| 13. | 67. | 558. | 264. | 2177. | 55. | 4 | 101 | 40_1_10_50 | מֵאִיִן | MAJN | dass nicht mehr/dass nicht war |
| 14. | 68. | 559. | 268. | 2181. | 59. | 4 | 318 | 10_6_300_2 | יֹשֵׁב | JWSB | (ein) Bewohn(end)er |

Ende des Verses 3.6

Verse: 39, Buchstaben: 62, 271, 2184, Totalwerte: 4488, 16269, 127857

Ich habe Nationen ausgerottet, ihre Zinnen sind verödet; ich habe ihre Straßen verwüstet, daß niemand darüber zieht; ihre Städte sind verheert, daß niemand da ist, kein Bewohner mehr.

– 3.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|-----------------|--|-----------------|
| 1. | 69. | 560. | 272. | 2185. | 1. | 5 | 651 | 1.40_200_400_10 | אמרתי AMRTJ | ich sprach/ich sagte | |
| 2. | 70. | 561. | 277. | 2190. | 6. | 2 | 21 | 1.20 | אך AK | nur | |
| 3. | 71. | 562. | 279. | 2192. | 8. | 5 | 621 | 400_10_200_1_10 | תיראי TJRAJ | möchtest du fürchten/du sollst fürchten | |
| 4. | 72. | 563. | 284. | 2197. | 13. | 4 | 417 | 1.6_400_10 | אותי AWTJ | mich | |
| 5. | 73. | 564. | 288. | 2201. | 17. | 4 | 518 | 400_100_8_10 | תקחי TQCJ | möchtest du annehmen/du sollst (an)nehmen | |
| 6. | 74. | 565. | 292. | 2205. | 21. | 4 | 306 | 40_6_60_200 | מוסר MWsR | Zucht/Zurechtweisung | |
| 7. | 75. | 566. | 296. | 2209. | 25. | 3 | 37 | 6.30_1 | ולא WLA | und nicht/dass nicht | |
| 8. | 76. | 567. | 299. | 2212. | 28. | 4 | 630 | 10_20_200_400 | יכרת JKRT | würde ausgerottet werden/er (=es) werde vernichtet | |
| 9. | 77. | 568. | 303. | 2216. | 32. | 5 | 171 | 40_70_6_50_5 | מעונה MaWNH | ihre Wohnung/ihre Stätte | |
| 10. | 78. | 569. | 308. | 2221. | 37. | 2 | 50 | 20_30 | כל KL | alles/durch alles | |
| 11. | 79. | 570. | 310. | 2223. | 39. | 3 | 501 | 1.300_200 | אשר ASR | was | |
| 12. | 80. | 571. | 313. | 2226. | 42. | 5 | 594 | 80_100_4_400_10 | פקדתי PQDTJ | ich verhängt habe/ich verordnet hatte | |
| 13. | 81. | 572. | 318. | 2231. | 47. | 4 | 115 | 70_30_10_5 | עליה aLJH | über sie | |
| 14. | 82. | 573. | 322. | 2235. | 51. | 3 | 71 | 1.20_50 | אכנ AKN | allein/jedoch | |
| 15. | 83. | 574. | 325. | 2238. | 54. | 6 | 381 | 5.300_20_10_40_6 | השכימו HSKJMW | sie haben sich früh aufgemacht/sie machten früh | |
| 16. | 84. | 575. | 331. | 2244. | 60. | 6 | 729 | 5.300_8_10_400_6 | השחיתו HSCJTW | haben verderbt/sie machten böse | |
| 17. | 85. | 576. | 337. | 2250. | 66. | 2 | 50 | 20_30 | כל KL | all(e) | |
| 18. | 86. | 577. | 339. | 2252. | 68. | 7 | 586 | 70_30_10_30_6_400_40 | עלילותמ aLJLWTM | ihre Handlungen/ihre Taten | |

Ende des Verses 3.7

Verse: 40, Buchstaben: 74, 345, 2258, Totalwerte: 6449, 22718, 134306

Ich sprach: Möchtest du mich nur fürchten, möchtest du Zucht annehmen! Und ihre Wohnung würde nicht ausgerottet werden-alles, was ich über sie verhängt habe. Allein sie haben sich früh aufgemacht, haben alle ihre Handlungen verderbt.

– 3.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|--|
| 1. | 87. | 578. | 346. | 2259. | 1. | 3 | 100 | 30_20_50 | לכנ | LKN | darum |
| 2. | 88. | 579. | 349. | 2262. | 4. | 3 | 34 | 8_20_6 | חכו | CKW | harret |
| 3. | 89. | 580. | 352. | 2265. | 7. | 2 | 40 | 30_10 | לי | LJ | auf mich/meiner |
| 4. | 90. | 581. | 354. | 2267. | 9. | 3 | 91 | 50_1_40 | נאמ | NAM | spricht/Spruch |
| 5. | 91. | 582. | 357. | 2270. | 12. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 6. | 92. | 583. | 361. | 2274. | 16. | 4 | 86 | 30_10_6_40 | ליומ | LJWM | auf den Tag/des Tags |
| 7. | 93. | 584. | 365. | 2278. | 20. | 4 | 156 | 100_6_40_10 | קומי | QWMJ | da ich mich aufmache/meines Aufstehens |
| 8. | 94. | 585. | 369. | 2282. | 24. | 3 | 104 | 30_70_4 | לעד | LaD | zur Beute/für immer |
| 9. | 95. | 586. | 372. | 2285. | 27. | 2 | 30 | 20_10 | ךי | KJ | denn |
| 10. | 96. | 587. | 374. | 2287. | 29. | 5 | 439 | 40_300_80_9_10 | משפטי | MSPtJ | mein Recht(sspruch) (ist) |
| 11. | 97. | 588. | 379. | 2292. | 34. | 4 | 171 | 30_1_60_80 | לאספ | LAsP | zu (ver)sammeln |
| 12. | 98. | 589. | 383. | 2296. | 38. | 4 | 59 | 3_6_10_40 | גוימ | GWJM | die Nationen/Völker |
| 13. | 99. | 590. | 387. | 2300. | 42. | 5 | 232 | 30_100_2_90_10 | לקבצי | LQBßJ | zusammenzubringen/zu scharen |
| 14. | 100. | 591. | 392. | 2305. | 47. | 6 | 536 | 40_40_30_20_6_400 | ממלכות | MMLKWT | ((die) Königreiche |
| 15. | 101. | 592. | 398. | 2311. | 53. | 4 | 430 | 30_300_80_20 | לשפכ | LSPK | um auszugießen/um zu schütten |
| 16. | 102. | 593. | 402. | 2315. | 57. | 5 | 155 | 70_30_10_5_40 | עליהם | aLJHM | über sie/auf sie |
| 17. | 103. | 594. | 407. | 2320. | 62. | 4 | 127 | 7_70_40_10 | זעמי | ZaMJ | meinen Grimm/meinen Groll |
| 18. | 104. | 595. | 411. | 2324. | 66. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | die ganze/all |
| 19. | 105. | 596. | 413. | 2326. | 68. | 4 | 264 | 8_200_6_50 | חרונ | CRWN | ((die) Glut |
| 20. | 106. | 597. | 417. | 2330. | 72. | 3 | 91 | 1_80_10 | אפי | APJ | meines Zorns |
| 21. | 107. | 598. | 420. | 2333. | 75. | 2 | 30 | 20_10 | ךי | KJ | denn |
| 22. | 108. | 599. | 422. | 2335. | 77. | 3 | 303 | 2_1_300 | באש | BAS | durch das Feuer/im Feuer |
| 23. | 109. | 600. | 425. | 2338. | 80. | 5 | 561 | 100_50_1_400_10 | קנאתי | QNATJ | meines Eifers |
| 24. | 110. | 601. | 430. | 2343. | 85. | 4 | 451 | 400_1_20_30 | תאכל | TAKL | ((sie (=es)) wird verzehrt werden |
| 25. | 111. | 602. | 434. | 2347. | 89. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | die ganze/all |

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|------------|------------------|-----------|-----------------|
| 26. | 112. | 603. | 436. | 2349. | 91. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארץ | HARß | Erde/das Land |

Ende des Verses 3.8

Verse: 41, Buchstaben: 94, 439, 2352, Totalwerte: 4912, 27630, 139218

Darum harret auf mich, spricht Jahwe, auf den Tag, da ich mich aufmache zur Beute! Denn mein Rechtsspruch ist, die Nationen zu versammeln, die Königreiche zusammenzubringen, um meinen Grimm über sie auszugießen, die ganze Glut meines Zornes; denn durch das Feuer meines Eifers wird die ganze Erde verzehrt werden.

– 3.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|---------------|-----------|-----------|---------------------------------|
| 1. | 113. | 604. | 440. | 2353. | 1. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 2. | 114. | 605. | 442. | 2355. | 3. | 2 | 8 | 1_7 | אז | AZ | ((als)dann |
| 3. | 115. | 606. | 444. | 2357. | 5. | 4 | 106 | 1_5_80_20 | אהפכ | AHPK | werde ich umwandeln/ich ändere |
| 4. | 116. | 607. | 448. | 2361. | 9. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | der/an |
| 5. | 117. | 608. | 450. | 2363. | 11. | 4 | 160 | 70_40_10_40 | עמימ | aMJM | Völker(n) |
| 6. | 118. | 609. | 454. | 2367. | 15. | 3 | 385 | 300_80_5 | שפה | SPH | die Lippen/(eine) Sprache |
| 7. | 119. | 610. | 457. | 2370. | 18. | 5 | 413 | 2_200_6_200_5 | ברורה | BRWRH | in reine (Lippen)/geläuterte |
| 8. | 120. | 611. | 462. | 2375. | 23. | 4 | 331 | 30_100_200_1 | לקרא | LQRA | damit anrufen/dass auszurufen |
| 9. | 121. | 612. | 466. | 2379. | 27. | 3 | 90 | 20_30_40 | כלם | KLM | alle sie |
| 10. | 122. | 613. | 469. | 2382. | 30. | 3 | 342 | 2_300_40 | בשמ | BSM | den Namen |
| 11. | 123. | 614. | 472. | 2385. | 33. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 12. | 124. | 615. | 476. | 2389. | 37. | 5 | 112 | 30_70_2_4_6 | לעבדו | LaBDW | ((und) dienen ihm/zu dienen ihm |
| 13. | 125. | 616. | 481. | 2394. | 42. | 3 | 360 | 300_20_40 | שכמ | SKM | einmütig/Schulter |
| 14. | 126. | 617. | 484. | 2397. | 45. | 3 | 13 | 1_8_4 | אהר | ACD | /an Schulter |

Ende des Verses 3.9

Verse: 42, Buchstaben: 47, 486, 2399, Totalwerte: 2407, 30037, 141625

Denn alsdann werde ich die Lippen der Völker in reine Lippen umwandeln, damit sie alle den Namen Jahwes anrufen und ihm einmütig dienen.

– 3.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|-------------------------------|
| 1. | 127. | 618. | 487. | 2400. | 1. | 4 | 312 | 40_70_2_200 | סעבר | MaBR | von jenseit(s) |
| 2. | 128. | 619. | 491. | 2404. | 5. | 5 | 295 | 30_50_5_200_10 | לנהרי | LNHRJ | der Ströme/bei den Strömen |
| 3. | 129. | 620. | 496. | 2409. | 10. | 3 | 326 | 20_6_300 | קוש | KWS | Äthiopiens/(von) Kusch |
| 4. | 130. | 621. | 499. | 2412. | 13. | 4 | 680 | 70_400_200_10 | עחרי | aTRJ | meine Flehenden/meine Anbeter |
| 5. | 131. | 622. | 503. | 2416. | 17. | 2 | 402 | 2_400 | בה | BT | meine Schar/die Tochter |
| 6. | 132. | 623. | 505. | 2418. | 19. | 4 | 186 | 80_6_90_10 | פוצי | PWBJ | zerstreute/meiner Zerstreuten |
| 7. | 133. | 624. | 509. | 2422. | 23. | 6 | 104 | 10_6_2_30_6_50 | יבלונ | JWBLWN | (werden) sie bringen dar |
| 8. | 134. | 625. | 515. | 2428. | 29. | 5 | 508 | 40_50_8_400_10 | מנחתי | MNCTJ | (als) meine (Opfer)Gabe (mir) |

Ende des Verses 3.10

Verse: 43, Buchstaben: 33, 519, 2432, Totalwerte: 2813, 32850, 144438

Von jenseit der Ströme Äthiopiens werden sie meine Flehenden, meine zerstreute Schar, mir als Opfergabe darbringen.

– 3.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------------|-----------|-----------|---|
| 1. | 135. | 626. | 520. | 2433. | 1. | 4 | 58 | 2.10.6.40 | ביום | BJWM | am Tag |
| 2. | 136. | 627. | 524. | 2437. | 5. | 4 | 17 | 5.5.6.1 | ההוא | HHWA | jenem |
| 3. | 137. | 628. | 528. | 2441. | 9. | 2 | 31 | 30.1 | לא | LA | nicht (mehr) |
| 4. | 138. | 629. | 530. | 2443. | 11. | 5 | 718 | 400.2.6.300.10 | תבושי | TBWSJ | du wirst dich schämen (müssen) |
| 5. | 139. | 630. | 535. | 2448. | 16. | 3 | 90 | 40.20.30 | מכל | MKL | (ob) all |
| 6. | 140. | 631. | 538. | 2451. | 19. | 7 | 570 | 70.30.10.30.400.10.20 | עלילתיך | aLJLTJK | deiner Handlungen/deiner Taten |
| 7. | 141. | 632. | 545. | 2458. | 26. | 3 | 501 | 1.300.200 | אשר | ASR | womit |
| 8. | 142. | 633. | 548. | 2461. | 29. | 4 | 850 | 80.300.70.400 | פשעת | PSaT | du übertreten hast/du dich empörtest |
| 9. | 143. | 634. | 552. | 2465. | 33. | 2 | 12 | 2.10 | בי | BJ | wider mich/gegen mich |
| 10. | 144. | 635. | 554. | 2467. | 35. | 2 | 30 | 20.10 | כי | KJ | denn |
| 11. | 145. | 636. | 556. | 2469. | 37. | 2 | 8 | 1.7 | אז | AZ | (als)dann |
| 12. | 146. | 637. | 558. | 2471. | 39. | 4 | 271 | 1.60.10.200 | אסיר | AsJR | werde ich wegnehmen/ich schaffe weg |
| 13. | 147. | 638. | 562. | 2475. | 43. | 5 | 362 | 40.100.200.2.20 | מקרבת | MQRBK | aus deiner Mitte |
| 14. | 148. | 639. | 567. | 2480. | 48. | 5 | 127 | 70.30.10.7.10 | עליזי | aLJZJ | (die) (deine) stolz Frohlockenden |
| 15. | 149. | 640. | 572. | 2485. | 53. | 5 | 430 | 3.1.6.400.20 | נאותך | GAWTK | /deines Hochmuts |
| 16. | 150. | 641. | 577. | 2490. | 58. | 3 | 37 | 6.30.1 | ולא | WLA | und nicht |
| 17. | 151. | 642. | 580. | 2493. | 61. | 5 | 556 | 400.6.60.80.10 | תוספי | TWSPJ | wirst du sein fortan mehr/du wirst fortfahren |
| 18. | 152. | 643. | 585. | 2498. | 66. | 5 | 45 | 30.3.2.5.5 | לנבהה | LGBHH | hoffärtig/zu überheben (dich) |
| 19. | 153. | 644. | 590. | 2503. | 71. | 3 | 80 | 70.6.4 | עוד | aWD | /noch |
| 20. | 154. | 645. | 593. | 2506. | 74. | 3 | 207 | 2.5.200 | בהר | BHR | auf (dem) Berg/wider den Berg |
| 21. | 155. | 646. | 596. | 2509. | 77. | 4 | 414 | 100.4.300.10 | קדשי | QDSJ | meinem heiligen/meines Heiligtums |

Ende des Verses 3.11

Verse: 44, Buchstaben: 80, 599, 2512, Totalwerte: 5414, 38264, 149852

An jenem Tage wirst du dich nicht mehr all deiner Handlungen schämen müssen, womit du wider mich übertreten hast; denn alsdann werde ich deine stolz Frohlockenden aus deiner Mitte wegnehmen, und du wirst fortan nicht mehr hoffärtig sein auf meinem heiligen Berge.

– 3.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|------------------|-----------|---|
| 1. | 156. | 647. | 600. | 2513. | 1. | 7 | 922 | 6_5_300_1_200_400_10 | והשארתי | WHSARTJ | und ich werde übriglassen/und ich lasse übrig |
| 2. | 157. | 648. | 607. | 2520. | 8. | 5 | 324 | 2_100_200_2_20 | בקרבת | BQRBK | in deiner Mitte |
| 3. | 158. | 649. | 612. | 2525. | 13. | 2 | 110 | 70_40 | עמ | aM | (ein) Volk |
| 4. | 159. | 650. | 614. | 2527. | 15. | 3 | 130 | 70_50_10 | עני | aNJ | elendes/demütiges |
| 5. | 160. | 651. | 617. | 2530. | 18. | 3 | 40 | 6_4_30 | ודל | WDL | und armes/und geringes |
| 6. | 161. | 652. | 620. | 2533. | 21. | 4 | 80 | 6_8_60_6 | והסו | WCsW | und sie werden vertrauen/und sie werden Zuflucht suchen |
| 7. | 162. | 653. | 624. | 2537. | 25. | 3 | 342 | 2_300_40 | בשמ | BSM | auf den Namen/beim Namen |
| 8. | 163. | 654. | 627. | 2540. | 28. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |

Ende des Verses 3.12

Verse: 45, Buchstaben: 31, 630, 2543, Totalwerte: 1974, 40238, 151826

Und ich werde in deiner Mitte ein elendes und armes Volk übriglassen, und sie werden auf den Namen Jahwes vertrauen.

– 3.13

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|------|-------------------|-----------|-----------|---|
| 1. | 164. | 655. | 631. | 2544. | 1. | 5 | 911 | 300.1_200.10_400 | שארית | SARJT | (der) Überrest |
| 2. | 165. | 656. | 636. | 2549. | 6. | 5 | 541 | 10.300.200.1_30 | ישראל | JSRAL | (von) Israel |
| 3. | 166. | 657. | 641. | 2554. | 11. | 2 | 31 | 30.1 | לא | LA | nicht |
| 4. | 167. | 658. | 643. | 2556. | 13. | 4 | 386 | 10.70.300.6 | יעשו | JaSW | wird tun/sie werden tun |
| 5. | 168. | 659. | 647. | 2560. | 17. | 4 | 111 | 70.6.30.5 | עולה | aWLH | Unrecht/Verkehrtheit |
| 6. | 169. | 660. | 651. | 2564. | 21. | 3 | 37 | 6.30.1 | ולא | WLA | und nicht |
| 7. | 170. | 661. | 654. | 2567. | 24. | 5 | 222 | 10.4.2.200.6 | ידברו | JDBRW | (sie werden) reden |
| 8. | 171. | 662. | 659. | 2572. | 29. | 3 | 29 | 20.7.2 | רוב | KZB | Lüge |
| 9. | 172. | 663. | 662. | 2575. | 32. | 3 | 37 | 6.30.1 | ולא | WLA | und nicht |
| 10. | 173. | 664. | 665. | 2578. | 35. | 4 | 141 | 10.40.90.1 | ימצא | JMBA | (er (=es)) wird gefunden werden |
| 11. | 174. | 665. | 669. | 2582. | 39. | 5 | 137 | 2.80.10.5.40 | בפיהם | BPJHM | in ihrem Mund |
| 12. | 175. | 666. | 674. | 2587. | 44. | 4 | 386 | 30.300.6.50 | לשון | LSWN | (eine) Zunge |
| 13. | 176. | 667. | 678. | 2591. | 48. | 5 | 1050 | 400.200.40.10.400 | תרמית | TRMJT | des Trugs/der Hinterlist |
| 14. | 177. | 668. | 683. | 2596. | 53. | 2 | 30 | 20.10 | כי | KJ | denn/sondern |
| 15. | 178. | 669. | 685. | 2598. | 55. | 3 | 50 | 5.40.5 | המה | HMH | sie |
| 16. | 179. | 670. | 688. | 2601. | 58. | 4 | 286 | 10.200.70.6 | ירעו | JRaW | (sie) werden weiden |
| 17. | 180. | 671. | 692. | 2605. | 62. | 5 | 304 | 6.200.2.90.6 | ורבצו | WRBβW | und (sie werden) lagern |
| 18. | 181. | 672. | 697. | 2610. | 67. | 4 | 67 | 6.1.10.50 | ואינ | WAJN | und niemand/und nicht ist |
| 19. | 182. | 673. | 701. | 2614. | 71. | 5 | 262 | 40.8.200.10.4 | מחריר | MCRJD | wird sie aufschrecken/(ein) Aufschreckender |

Ende des Verses 3.13

Verse: 46, Buchstaben: 75, 705, 2618, Totalwerte: 5018, 45256, 156844

Der Überrest Israels wird kein Unrecht tun und keine Lüge reden, und in ihrem Munde wird keine Zunge des Truges gefunden werden; denn sie werden weiden und lagern, und niemand wird sie aufschrecken. -

– 3.14

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|--------------------|------------------|---------------|-----------------|
| 1. | 183. | 674. | 706. | 2619. | 1. | 3 | 260 | 200_50_10 | רני RNJ | juble | |
| 2. | 184. | 675. | 709. | 2622. | 4. | 2 | 402 | 2_400 | בת BT | Tochter | |
| 3. | 185. | 676. | 711. | 2624. | 6. | 4 | 156 | 90_10_6_50 | קיוו בJWN | Zion///<Burg> | |
| 4. | 186. | 677. | 715. | 2628. | 10. | 5 | 291 | 5_200_10_70_6 | הריעו HRJaW | jauchze(t) | |
| 5. | 187. | 678. | 720. | 2633. | 15. | 5 | 541 | 10_300_200_1_30 | ישראל JSRAL | Israel | |
| 6. | 188. | 679. | 725. | 2638. | 20. | 4 | 358 | 300_40_8_10 | שמחי SMCJ | freue dich | |
| 7. | 189. | 680. | 729. | 2642. | 24. | 5 | 123 | 6_70_30_7_10 | ועלוי WaLZJ | und frohlocke | |
| 8. | 190. | 681. | 734. | 2647. | 29. | 3 | 52 | 2_20_30 | בכל BKL | von ganzem | |
| 9. | 191. | 682. | 737. | 2650. | 32. | 2 | 32 | 30_2 | לב LB | Herzen | |
| 10. | 192. | 683. | 739. | 2652. | 34. | 2 | 402 | 2_400 | בת BT | Tochter | |
| 11. | 193. | 684. | 741. | 2654. | 36. | 6 | 586 | 10_200_6_300_30_40 | ירושלם JRWSLM | Jerusalem | |

Ende des Verses 3.14

Verse: 47, Buchstaben: 41, 746, 2659, Totalwerte: 3203, 48459, 160047

Jubele, Tochter Zion; jauchze, Israel! Freue dich und frohlocke von ganzem Herzen, Tochter Jerusalem!

– 3.15

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|---------------------------------------|-----------------|
| 1. | 194. | 685. | 747. | 2660. | 1. | 4 | 275 | 5.60_10_200 | הסיר HsJR | weggenommen hat/er (=es) hat entfernt | |
| 2. | 195. | 686. | 751. | 2664. | 5. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe | |
| 3. | 196. | 687. | 755. | 2668. | 9. | 6 | 459 | 40_300_80_9_10_20 | משפטיך MSPtJK | deine Gerichte/deine Strafurteile | |
| 4. | 197. | 688. | 761. | 2674. | 15. | 3 | 135 | 80_50_5 | פנה PNH | weggefegt/er hat fortgeschafft | |
| 5. | 198. | 689. | 764. | 2677. | 18. | 4 | 33 | 1_10_2_20 | איבך AJBK | deinen Feind | |
| 6. | 199. | 690. | 768. | 2681. | 22. | 3 | 90 | 40_30_20 | מלך MLK | der König/den König | |
| 7. | 200. | 691. | 771. | 2684. | 25. | 5 | 541 | 10_300_200_1_30 | ישראל JSRAL | Israel(s) | |
| 8. | 201. | 692. | 776. | 2689. | 30. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe | |
| 9. | 202. | 693. | 780. | 2693. | 34. | 5 | 324 | 2_100_200_2_20 | בקרביך BQRBK | (ist) in deiner Mitte | |
| 10. | 203. | 694. | 785. | 2698. | 39. | 2 | 31 | 30_1 | לא LA | nicht | |
| 11. | 204. | 695. | 787. | 2700. | 41. | 5 | 621 | 400_10_200_1_10 | תיראי TJRAJ | wirst du sehen/du brauchst fürchten | |
| 12. | 205. | 696. | 792. | 2705. | 46. | 2 | 270 | 200_70 | רע Ra | (ein) Unglück/Unheil | |
| 13. | 206. | 697. | 794. | 2707. | 48. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוד aWD | mehr/noch | |

Ende des Verses 3.15

Verse: 48, Buchstaben: 50, 796, 2709, Totalwerte: 2911, 51370, 162958

Jahwe hat deine Gerichte weggenommen, deinen Feind weggefegt; der König Israels, Jahwe, ist in deiner Mitte, du wirst kein Unglück mehr sehen.

– 3.16

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------------|------------------|--|-----------------|
| 1. | 207. | 698. | 797. | 2710. | 1. | 4 | 58 | 2_10_6_40 | ביום BJWM | am Tag | |
| 2. | 208. | 699. | 801. | 2714. | 5. | 4 | 17 | 5_5_6_1 | ההוא HHWA | jenem | |
| 3. | 209. | 700. | 805. | 2718. | 9. | 4 | 251 | 10_1_40_200 | יאמר JAMR | (er (=es)) wird gesagt werden | |
| 4. | 210. | 701. | 809. | 2722. | 13. | 7 | 616 | 30_10_200_6_300_30_40 | לירושלם LJRWSLM | zu Jerusalem | |
| 5. | 211. | 702. | 816. | 2729. | 20. | 2 | 31 | 1_30 | אל AL | nicht | |
| 6. | 212. | 703. | 818. | 2731. | 22. | 5 | 621 | 400_10_200_1_10 | תיראי TJRAJ | fürchte dich | |
| 7. | 213. | 704. | 823. | 2736. | 27. | 4 | 156 | 90_10_6_50 | ציון βJWN | Zion | |
| 8. | 214. | 705. | 827. | 2740. | 31. | 2 | 31 | 1_30 | אל AL | nicht | |
| 9. | 215. | 706. | 829. | 2742. | 33. | 4 | 296 | 10_200_80_6 | ירפו JRPW | lass erschlaffen/sie (=es) sollen sinken | |
| 10. | 216. | 707. | 833. | 2746. | 37. | 4 | 44 | 10_4_10_20 | ידיך JDJK | deine Hände | |

Ende des Verses 3.16

Verse: 49, Buchstaben: 40, 836, 2749, Totalwerte: 2121, 53491, 165079

An jenem Tage wird zu Jerusalem gesagt werden: Fürchte dich nicht! Zion, laß deine Hände nicht erschlaffen!

– 3.17

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|-----------|-----------|-------------------------|
| 1. | 217. | 708. | 837. | 2750. | 1. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 2. | 218. | 709. | 841. | 2754. | 5. | 5 | 66 | 1_30_5_10_20 | אלהיך | ALHJK | dein Gott |
| 3. | 219. | 710. | 846. | 2759. | 10. | 5 | 324 | 2_100_200_2_20 | בקרביך | BQRBK | (ist) in deiner Mitte |
| 4. | 220. | 711. | 851. | 2764. | 15. | 4 | 211 | 3_2_6_200 | גבור | GBWR | (ein) Held |
| 5. | 221. | 712. | 855. | 2768. | 19. | 5 | 396 | 10_6_300_10_70 | יושיע | JWSJa | rettender/(d)er befreit |
| 6. | 222. | 713. | 860. | 2773. | 24. | 4 | 620 | 10_300_10_300 | ישש | JSJS | er freut sich |
| 7. | 223. | 714. | 864. | 2777. | 28. | 4 | 130 | 70_30_10_20 | עליך | aLJK | über dich/an dir |
| 8. | 224. | 715. | 868. | 2781. | 32. | 5 | 355 | 2_300_40_8_5 | בשמחה | BSMCH | mit Wonne/durch Freude |
| 9. | 225. | 716. | 873. | 2786. | 37. | 5 | 528 | 10_8_200_10_300 | יחריש | JCRJS | er schweigt |
| 10. | 226. | 717. | 878. | 2791. | 42. | 6 | 416 | 2_1_5_2_400_6 | באהבתו | BAHBTW | in seiner Liebe |
| 11. | 227. | 718. | 884. | 2797. | 48. | 4 | 53 | 10_3_10_30 | יגיל | JGJL | frohlockt/er jauchzt |
| 12. | 228. | 719. | 888. | 2801. | 52. | 4 | 130 | 70_30_10_20 | עליך | aLJK | über dich |
| 13. | 229. | 720. | 892. | 2805. | 56. | 4 | 257 | 2_200_50_5 | ברנה | BRNH | mit Jubel/im Jubelruf |

Ende des Verses 3.17

Verse: 50, Buchstaben: 59, 895, 2808, Totalwerte: 3512, 57003, 168591

Jahwe, dein Gott, ist in deiner Mitte, ein rettender Held; er freut sich über dich mit Wonne, er schweigt in seiner Liebe, frohlockt über dich mit Jubel.

– 3.18

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------|-----------|---|
| 1. | 230. | 721. | 896. | 2809. | 1. | 4 | 69 | 50_6_3_10 | וְנִי | NWGJ | die Trauernden/Betrübte |
| 2. | 231. | 722. | 900. | 2813. | 5. | 5 | 160 | 40_40_6_70_4 | מִמּוֹעַד | MMWaD | wegen der Festversammlung /fern der (Fest)Versammlung |
| 3. | 232. | 723. | 905. | 2818. | 10. | 5 | 551 | 1_60_80_400_10 | אֶסְפְּתִי | AsPTJ | werde ich sammeln/ich sammele auf |
| 4. | 233. | 724. | 910. | 2823. | 15. | 3 | 100 | 40_40_20 | מִמֶּכָּ | MMK | aus dir/vor dir |
| 5. | 234. | 725. | 913. | 2826. | 18. | 3 | 21 | 5_10_6 | הֵיוּ | HJW | sie waren |
| 6. | 235. | 726. | 916. | 2829. | 21. | 4 | 741 | 40_300_1_400 | מִשְׂאָה | MSAT | /erhobenes Zeichen |
| 7. | 236. | 727. | 920. | 2833. | 25. | 4 | 115 | 70_30_10_5 | עָלִיהָ | aLJH | auf ihnen/auf ihr |
| 8. | 237. | 728. | 924. | 2837. | 29. | 4 | 293 | 8_200_80_5 | חָרְפָהּ | CRPH | lastete Schmach/(ist) Schmach |

Ende des Verses 3.18

Verse: 51, Buchstaben: 32, 927, 2840, Totalwerte: 2050, 59053, 170641

Die wegen der Festversammlung Trauernden werde ich sammeln; sie waren aus dir, Schmach lastete auf ihnen.

– 3.19

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|-----------|-----------|--|
| 1. | 238. | 729. | 928. | 2841. | 1. | 4 | 115 | 5.50_50_10 | הנני | HNNJ | siehe ich (bin) |
| 2. | 239. | 730. | 932. | 2845. | 5. | 3 | 375 | 70_300_5 | עשה | aSH | werde handeln/(ein) Machender |
| 3. | 240. | 731. | 935. | 2848. | 8. | 2 | 401 | 1.400 | את | AT | mit/an |
| 4. | 241. | 732. | 937. | 2850. | 10. | 2 | 50 | 20_30 | ל | KL | all(en) |
| 5. | 242. | 733. | 939. | 2852. | 12. | 5 | 190 | 40_70_50_10_20 | מעניכ | MaNJk | deinen Bedrückern/deinen Quälern |
| 6. | 243. | 734. | 944. | 2857. | 17. | 3 | 472 | 2.70_400 | בעה | BaT | zu (der) Zeit/in der Zeit |
| 7. | 244. | 735. | 947. | 2860. | 20. | 4 | 21 | 5.5_10_1 | ההיא | HHJA | jener (da) |
| 8. | 245. | 736. | 951. | 2864. | 24. | 7 | 797 | 6.5_6_300_70_400_10 | והושעתי | WHWSaTJ | und retten/und ich errette |
| 9. | 246. | 737. | 958. | 2871. | 31. | 2 | 401 | 1.400 | את | AT | ** |
| 10. | 247. | 738. | 960. | 2873. | 33. | 5 | 200 | 5.90_30_70_5 | הצלעה | HβLaH | die Hinkenden/das Hinkende |
| 11. | 248. | 739. | 965. | 2878. | 38. | 6 | 78 | 6.5_50_4_8_5 | והנרחה | WHNDCH | und die Vertriebenen/und das Versprengte |
| 12. | 249. | 740. | 971. | 2884. | 44. | 4 | 193 | 1.100_2_90 | אקבצ | AQBβ | sammeln/ich sammle |
| 13. | 250. | 741. | 975. | 2888. | 48. | 6 | 796 | 6.300_40_400_10_40 | ושמתימ | WSMTJM | und ich werde sie machen/und ich mache sie |
| 14. | 251. | 742. | 981. | 2894. | 54. | 5 | 470 | 30_400_5_30_5 | לתהלה | LTHLH | zum Lob/zu Ruhm |
| 15. | 252. | 743. | 986. | 2899. | 59. | 4 | 376 | 6.30_300_40 | ולשמ | WLSM | und zu(m) Namen |
| 16. | 253. | 744. | 990. | 2903. | 63. | 3 | 52 | 2.20_30 | בכל | BKL | in allen/auf all |
| 17. | 254. | 745. | 993. | 2906. | 66. | 4 | 296 | 5.1_200_90 | הארצ | HARβ | Ländern/der Erde |
| 18. | 255. | 746. | 997. | 2910. | 70. | 4 | 742 | 2.300_400_40 | בשתמ | BSTM | ihrer Schmach/zu deren Beschämung |

Ende des Verses 3.19

Verse: 52, Buchstaben: 73, 1000, 2913, Totalwerte: 6025, 65078, 176666

Siehe, ich werde zu jener Zeit handeln mit allen deinen Bedrückern, und die Hinkenden retten und die Vertriebenen sammeln; und ich werde sie zum Lobe und zum Namen machen in allen Ländern ihrer Schmach.

– 3.20

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|-------|-------|-----|------|-----|----------------------|-----------------|--|-----------------|
| 1. | 256. | 747. | 1001. | 2914. | 1. | 3 | 472 | 2_70_400 | בעת BaT | in (der) Zeit | |
| 2. | 257. | 748. | 1004. | 2917. | 4. | 4 | 21 | 5_5_10_1 | ההיא HHJA | jener (da) | |
| 3. | 258. | 749. | 1008. | 2921. | 8. | 4 | 14 | 1_2_10_1 | אביא ABJA | werde ich herbeibringen/ich lasse kommen | |
| 4. | 259. | 750. | 1012. | 2925. | 12. | 4 | 461 | 1_400_20_40 | אהכמ ATKM | euch | |
| 5. | 260. | 751. | 1016. | 2929. | 16. | 4 | 478 | 6_2_70_400 | ובעת WBaT | und zu der Zeit/und in der Zeit | |
| 6. | 261. | 752. | 1020. | 2933. | 20. | 4 | 202 | 100_2_90_10 | קבצי QBßJ | sammeln/meines Heimholens | |
| 7. | 262. | 753. | 1024. | 2937. | 24. | 4 | 461 | 1_400_20_40 | אהכמ ATKM | euch | |
| 8. | 263. | 754. | 1028. | 2941. | 28. | 2 | 30 | 20_10 | כי KJ | denn/da | |
| 9. | 264. | 755. | 1030. | 2943. | 30. | 3 | 451 | 1_400_50 | אתנ ATN | ich werde machen/ich gebe | |
| 10. | 265. | 756. | 1033. | 2946. | 33. | 4 | 461 | 1_400_20_40 | אהכמ ATKM | euch | |
| 11. | 266. | 757. | 1037. | 2950. | 37. | 3 | 370 | 30_300_40 | לשמ LSM | zu(m) Namen | |
| 12. | 267. | 758. | 1040. | 2953. | 40. | 6 | 476 | 6_30_400_5_30_5 | ולתהלה WLTHLH | und zum Lob(preis) | |
| 13. | 268. | 759. | 1046. | 2959. | 46. | 3 | 52 | 2_20_30 | בכל BKL | unter all(en) | |
| 14. | 269. | 760. | 1049. | 2962. | 49. | 3 | 120 | 70_40_10 | עמי aMJ | den Völkern | |
| 15. | 270. | 761. | 1052. | 2965. | 52. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ HARß | der Erde | |
| 16. | 271. | 762. | 1056. | 2969. | 56. | 5 | 320 | 2_300_6_2_10 | בשובי BSWBJ | wenn ich wenden werde/nach meinem Wenden | |
| 17. | 272. | 763. | 1061. | 2974. | 61. | 2 | 401 | 1_400 | את AT | ** | |
| 18. | 273. | 764. | 1063. | 2976. | 63. | 7 | 778 | 300_2_6_400_10_20_40 | שבותיכמ SBWTJKM | eure Gefangenschaft /eure Wegführungen | |
| 19. | 274. | 765. | 1070. | 2983. | 70. | 7 | 230 | 30_70_10_50_10_20_40 | לעיניכמ LaJNJKM | vor euren Augen | |
| 20. | 275. | 766. | 1077. | 2990. | 77. | 3 | 241 | 1_40_200 | אמר AMR | er spricht | |
| 21. | 276. | 767. | 1080. | 2993. | 80. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe | |

Ende des Verses 3.20

Verse: 53, Buchstaben: 83, 1083, 2996, Totalwerte: 6361, 71439, 183027

In jener Zeit werde ich euch herbeibringen und zu der Zeit euch sammeln; denn ich werde euch zum Namen und zum Lobe machen unter allen Völkern der Erde, wenn ich eure Gefangenschaft vor euren Augen wenden werde, spricht Jahwe.

Ende des Kapitels 3

Ende des Buches